



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

58/10/97

सं. 358]
No. 358]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 12, 1997/भाद्र 21, 1919
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 12, 1997/BHADRA 21, 1919

वित्त मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1997

सा. का. नि. 536 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की अधिसूचना सा.का.नि. 1402 तारीख 12 सितम्बर, 1966 का अधिक्रमण करते हुए उन बातों की बाबत के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व जो की गई है, या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (सीमेंट) नियम, 1997 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. लागू होना—(1) ये नियम ऐसी प्रत्येक कम्पनी को लागू होंगे जो क्लिंकर या सीमेंट या दोनों के उत्पादन या विनिर्माण में लगी हुई है।
- (2) उपनियम (1) के उपबन्ध किसी ऐसी कम्पनी को लागू नहीं होंगे,—
- (क) जिसमें प्रतिष्ठापित मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के अन्तिम दिन को साठ लाख रुपये से अधिक न हो और इस प्रयोजन के लिए, किसी मशीनरी या संयंत्र का मूल्य निम्नलिखित होगा—
- (i) कम्पनी के स्वामित्वाधीन किसी मशीनरी या संयंत्र की दशा में उस पर कम्पनी की लागत ; और
- (ii) कम्पनी द्वारा पट्टे पर या अवक्रय आधार पर धारित किसी मशीनरी या संयंत्र की दशा में ऐसी मशीनरी या संयंत्र के स्वामी की उस पर लागत ; और
- (ख) जिसमें कम्पनी द्वारा पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान अपने सभी उत्पादों के विक्रय या प्रदाय से किए गए व्यापारावर्त का कुल मूल्य दस करोड़ रुपये से अधिक नहीं है।

(1)

3. अभिलेखों का रखा जाना—

- (क) ऐसी प्रत्येक कम्पनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं, नियमित अन्तरालों पर तथा इन नियमों के प्रारम्भ होने की तारीख को या उसके पश्चात् प्रारम्भ होने वाले प्रत्येक अपने वित्तीय वर्ष की बाबत उचित लेखा बहियां रखेंगी, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ, सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के संबंध में, जहां तक वे नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों को लागू होते हैं, इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 1 और 2 में, जिसमें प्रोफार्मा क, ख, ग, घ और ङ सम्मिलित है, विनिर्दिष्ट विशिष्टियां होंगी।

परन्तु यदि उक्त कम्पनी किसी/किसी अन्य उत्पाद/उत्पादों का विनिर्माण कर रही है या नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद/उत्पादों के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलाप में लगी हुई है, तो ऐसी सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों में उपयोग के संबंध में, जहां तक वे ऐसे अन्य उत्पादों या क्रियाकलाप को लागू होती है, विशिष्टियां नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद/उत्पादों की लागत में सम्मिलित नहीं की जाएंगी।

- (ख) उपनियम (क) में निर्दिष्ट लेखा बहियां नियमित रूप से ऐसी रीति में रखी जाएंगी ताकि उनमें दर्ज की गई विशिष्टियों से नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादन की लागत और उत्पाद/उत्पादों के विक्रय की लागत की नियमित अन्तरालों पर और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए भी संगणना करना संभव हो सके और ऐसी प्रत्येक लेखा बही और इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा कम्पनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे उनका संबंध है, समाप्ति से नब्बे दिन से अनधिक में पूरे कर लिए जाएंगे,
- (ग) उपधारा (6) में निर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह कम्पनी द्वारा इस नियम के उपनियम (क) और (ख) के उपबन्धों का उसी रीति से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी युक्तियुक्त कदम उठाए, जिस रीति से यह उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अधीन उपेक्षित लेखाओं को रखने के लिए उत्तरदायी है।
- (घ) सांख्यिकीय और अन्य अभिलेखा इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूचियों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे जो ऐसे होंगे जिससे कम्पनी, जहां तक संभव हो सके, लागतों में अधिकतम मितव्ययिता प्राप्त करने और ऐसे आवश्यक आंकड़े उपलब्ध करने की दृष्टि से लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 1996 में निर्दिष्ट सभी प्रश्नों पर युक्तियुक्त रूप से रिपोर्ट देने के लिए लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपेक्षित है, विभिन्न संक्रियाओं और लागतों पर नियंत्रण रखने में समर्थ हो सके।

4. शास्ति—यदि कोई कम्पनी नियम 3 के उपबन्धों का उल्लंघन करती है तो कम्पनी और प्रत्येक अधिकारी जो व्यतिक्रम करता है और जो नियम 3 के उपनियम (ग) में निर्दिष्ट है, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, जुर्माने से, जो पांच सौ रुपए तक हो सकेगा, और जहां उल्लंघन जारी रहता है वहां अतिरिक्त जुर्माने से, जो प्रथम दिन के पश्चात् प्रत्येक ऐसे दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहता है, पचास रुपए तक हो सकेगा, दंडनीय होगा।

अनुसूची 1

(नियम 3 देखिए)

1. सामग्री—

- (i) (क) नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों के तथा वस्तुतः प्रयुक्त किए गए उत्पादन प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री तथा वस्तुतः प्रयुक्त किए गए प्रत्येक मद की सभी प्राप्ति, निर्गमों और अतिशेष की मात्राएं और लागत, दोनों को पृथक्-पृथक् दर्शित करने वाले उचित अभिलेख किसी भी प्रारूप में या किसी भी प्रकार से रखे जाएंगे। प्रत्यक्ष सामग्रियों के इन अभिलेखों में ऐसे ब्यौरे दिए जाएंगे जिससे कि कम्पनी, मात्रा और प्राप्ति की लागत (जिसके अन्तर्गत सभी मुख्य प्रत्यक्ष सामग्रियों की बाबत संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार हैं) आयोजित और देशी प्रदायों की बाबत, पृथक्-पृथक् अवधारित कर सके।

(ख) जहां कुछ अपरिष्कृत सामग्री कम्पनी के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा पट्टे पर ली गई खानों से प्राप्त की जाती है या उनके द्वारा उत्पादित या विनिर्मित की गई है, वहां ऐसी अपरिष्कृत सामग्री को प्राप्त करने, उपाप्त करने या विनिर्माण करने की लागत दर्शित करने वाले पृथक् अभिलेख रखे जाएंगे।

- (ii) विभिन्न प्रसंस्करणों में प्राप्त किए गए उपोत्पादों की मात्रा और लागत जिनका महत्वपूर्ण मूल्य अर्थात् सामग्री के निवेश की लागत का 5 प्रतिशत या अधिक है, उपदर्शित करते हुए, समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। प्राप्त किए गए उपोत्पादों की दशा में जिनका प्रसंस्करण में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता है और जिनका और आगे प्रसंस्करण किए बिना विक्रय या व्ययन कर दिया गया है, ऐसे विक्रय से हुई वसूली को अभिलिखित किया जाएगा और उसे सम्बद्ध प्रसंस्करण मद्दे युक्तियुक्त आधार पर समायोजित किया जाएगा। यदि इन उपोत्पादों को, यथास्थिति, उपयोग योग्य या विक्रय योग्य बनाने के लिए और प्रसंस्करण करना आवश्यक है तो आगे के ऐसे प्रसंस्करण में अन्तर्बलित लागत का पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा और शुद्ध वसूली सम्बद्ध प्रसंस्करण मद्दे समायोजित की जाएगी। उपोत्पादों के मूल्यांकन के लिए अपनाया गया आधार साम्यापूर्ण होगा और उपोत्पादों की वास्तविक विक्रय वसूली को उपदर्शित करने वाला समुत्पन्न अभिलेख भी रखा जाएगा।

- (iii) किसी प्रसंस्करण सामग्री या रसायनों, उपभोग्य सामग्री, छोटे औजार तथा मशीनरी के फालतू पुर्जों के प्रत्येक मद की प्राप्तियां, निर्गमों और अतिशेषों की मात्राएं और लागत, दोनों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत में संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे।
- (iv) उपभोग्य सामान और छोटे औजारों की दशा में जिनकी लागत महत्वपूर्ण नहीं है, यदि कम्पनी चाहे तो ऐसे मदों का अभिलेख सामूहिक रूप में रख सकेगी।
- (v) खपने वाले सामान, छोटे औजार और मशीनरी के फालतू पुर्जों के उपभोग की लागत वास्तविक निर्गमों के आधार पर सुसंगत लागत केन्द्रों पर प्रभारित की जाएगी।
- (vi) कच्ची सामग्री, प्रसंस्करण सामग्री, उपभोग्य सामान, छोटे औजारों और मशीनरी के फालतू पुर्जों के अपशिष्टों, विकृतियों, प्रतिक्लेषणों और हानियों की मात्रा और मूल्य को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे चाहे वह अभिवहन, भंडारकरण, विनिर्माण में या किसी अन्य प्रक्रम पर हुई है। उत्पाद की लागत का अवधारण करते समय उपर्युक्त हानियां और अस्वीकृत तथा अपशिष्टों, जिनमें विकृतियां, यदि कोई हों, भी हैं, के व्ययन से व्युत्पन्न आय के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी; किन्हीं असामान्य अपशिष्टों या विकृतियों आदि को उनके कारणों सहित सुभिन्नतया और पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा।
- (vii) जहां सामग्री के किसी मद पर माइवेट उपलब्ध है, वहां उसकी लागत माइवेट के बिना दर्शित की जाएगी।

2. वेतन और मजदूरी:—

- (i) लागत केन्द्रों/विभागों के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जनों तथा उस कार्य को जिसमें वे नियोजित किए गए हैं, उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। प्रत्येक लागत केन्द्र/विभाग के लिए निम्न पृथक् रूप से निम्नलिखित भी अभिलेख में उपदर्शित किए जाएंगे—
 - (क) मात्रानुपाती दर पर उपार्जित मजदूरी (जहां लागू हो)
 - (ख) प्रोत्साहन मजदूरी जो व्यक्ति या सामूहिक रूप से उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अधीन उपार्जित की जाती है।
 - (ग) उपार्जित अतिकालिक मजदूरी और
 - (घ) नैमित्तिक श्रमिकों के उपार्जन।
- (ii) अभिलेख ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के प्रोफार्मा से इस शीर्ष के अधीन आवश्यक विशिष्टियां दे सके। जहां कर्मचारी ऐसी रीति से काम करते हैं कि उनकी पहचान किसी लागत केन्द्र/विभाग से करनी संभव न हो वहां श्रम प्रभारों के लागत केन्द्रों/विभागों में साम्यपूर्ण आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और उन्हें समरूपतः लागू किया जाएगा।
- (iii) खाली समय वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन उसके लिए जो कारण हैं उन्हें उपदर्शित करते हुए पृथकतः अभिलिखित किया जाएगा। उत्पाद की लागत के अवधारण में खाली समय के संदाय का लेखा रखने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति को लागत अभिलेख में दर्शित किया जाएगा।
- (iv) पूंजी संकर्म, जैसे संयंत्र और मशीनरी, भवन में संवर्धन या अन्य स्थित आस्तियों को आर्बटनीय किन्ही मजदूरियों और वेतनों का लेखा सुसंगत पूंजी शीर्ष के अधीन दिया जाएगा।

3. सेवा विभाग व्यय :

प्रत्येक सेवा विभाग या लागत केन्द्र जैसे प्रयोगशाला, कल्याण परिवहन आदि पर उपगत व्ययों को उपदर्शित करने वाले ब्यौरेवार अभिलेख रखे जाएंगे। ये व्यय अन्य सेवाओं और उत्पादन विभागों को साम्यपूर्ण आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे। जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी किया जाता है वहां नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद/उत्पादों और अन्य उत्पादों के बीच प्रभाजन का आधार साम्यपूर्ण होगा और अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा।

4. उपयोगी वस्तुएं :

- (i) जल—विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों में उत्पाद/उत्पादों के विनिर्माण के लिए उत्पादित और उपभोग किए गए उपचारित/शीतित जल की मात्रा और लागत, यदि कोई हो, दर्शाते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।
- (ii) वाष्प—उत्पाद के विनिर्माण के लिए उत्पादित और उपभोग की गई वाष्प की मात्रा और लागत दर्शाते हुए समुचित अभिलेख रखा

जाएगा। सीमेंट संयंत्र और कंपनी की अन्य यूनिटों द्वारा उपयोग की गई वाष्प की लागत की संगणना युक्तियुक्त आधार पर की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी। जहां कम्पनी के किसी अन्य यूनिट द्वारा वाष्प बनाई जाती है और उसका प्रदाय सीमेंट संयंत्र को किया जाता है वहां इस प्रकार प्रदाय की गई वाष्प की लागत युक्तियुक्त आधार पर सीमेंट संयंत्र पर प्रभारित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी।

- (iii) शक्ति—(क) क्रय की गई शक्ति की मात्रा और लागत का समुचित अभिलेख रखा जाएगा। जहां कंपनी द्वारा स्वयं शक्ति उत्पादित की जाती है वहां विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों आदि में नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद के उत्पादन के लिए उत्पादित और उपयोग की गई शक्ति की लागत दर्शाने हेतु पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा।
- (ख) जहां कंपनी के किसी अन्य यूनिट द्वारा शक्ति उत्पादित करके संयंत्र को प्रदाय की जाती है वहां इस प्रकार प्रदाय की गई शक्ति की मात्रा और उसकी लागत उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद के उत्पादन को आर्बिट्ररी शक्ति की लागत युक्तियुक्त आधार पर होगी और समरूपतः लागू की जाएगी।
- (iv) जल, वाष्प और शक्ति से भिन्न उपयोगिताएं—कंपनी द्वारा उत्पादित या क्रय की गई जल, वाष्प और शक्ति से भिन्न किन्हीं अन्य उपयोगिताओं की बाबत पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा।

5. कार्यशाला/मरम्मत और अनुरक्षण/औजार कक्ष (i) कार्यशाला द्वारा विभिन्न शीशों के अधीन उपगत व्यय और विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों द्वारा मरम्मत तथा अनुरक्षण पर हुए व्यय दर्शाने वाला अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेखों में भिन्न-भिन्न लागत केन्द्रों/विभागों पर कार्यशाला/औजार कक्ष व्यय के प्रभारण का आधार भी उपदर्शित किया जाएगा। जहां अनुरक्षण कार्य किसी उत्पादन केन्द्र/विभाग के कर्मचारों द्वारा सीधे किया जाता है वहां ऐसे व्यक्तियों की मजदूरी और वेतन, संबंधित लागत केन्द्र/विभाग के प्रत्यक्ष व्यय माने जाएंगे। यदि सेवाओं का अन्य उत्पादों के लिए भी उपयोग किया जाता है तो नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद/उत्पादों पर अंश के प्रभारण की रीति साम्यापूर्ण होगी जो अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा।

- (ii) मुख्य मरम्मत संकर्म पर व्यय, जिससे एक से अधिक वित्तीय वर्षों में फायदा प्रोद्भूत होने की संभावना है, लागत अभिलेखों में पृथक् रूप से इस प्रकार दर्शित किया जाएगा कि उससे सुसंगत अवधि के प्रति निदेश से लागत का अवधारण करने की लेखा पद्धति उपदर्शित हो।
- (iii) सीमेंट यूनिट की कर्मशालाओं द्वारा कंपनी की अन्य यूनिटों के लिए किए गए कार्य युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किए जाएंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे।

6. अवक्षयण—उस आधार का जिस पर अवक्षयण की संगणना की जाती है और विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों को उसका आर्बिटन/प्रभाजन किया जाता है और उत्पादों के साथ आमेलेन किया जाता है, लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा। विभिन्न लागत केन्द्रों और विभागों को प्रभार्य अवक्षयण कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 205 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसार प्रभार्य अवक्षयण की रकम से कम नहीं होगा और वह अवक्षयण ऐसे लागत केन्द्रों/विभागों में उपयोग किए गए संयंत्र और मशीनरी और अन्य स्थिर आस्तियों से संबंधित होगा। यदि किसी वित्तीय वर्ष में लागत लेखा में प्रभारित अवक्षयण राशि कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के पूर्वोक्त उपबंधों के अधीन प्रभार्य अवक्षयण से अधिक है तो प्रभारित की गई ऐसी अधिक राशि लागत अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अभिलेख में नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद/उत्पादों की प्रति यूनिट लागत पर उक्त आधिक्य के प्रभाव को भी दर्शाया जाएगा। आस्ति की किसी एकल मद के लिए लागत अभिलेख में प्रभारित संघयी अवक्षयण संबंधित आस्ति की मूल लागत से अधिक नहीं होगी।

7. स्वामिस्व/तकनीकी व्यवहार ज्ञान फीस—सहयोगकर्ताओं या प्रौद्योगिकी प्रदायकर्ताओं को उनके साथ किए गए करारों के निर्बंधनों के अनुसार स्वामिस्व अथवा अन्य आवृत्ति या अनावृत्ति संदाय को, यदि कोई हो, दर्शित करने वाला पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। ऐसे अभिलेख प्रत्येक ऐसे सहयोगकर्ता या प्रदायकर्ता के संबंध में अलग-अलग रखे जाएंगे। ऐसी रकमों को, जिनके अन्तर्गत उत्पादों पर एकमुश्त संदाय भी है, प्रभारित करने का आधार लागत अभिलेख में उपदर्शित किया जाएगा।

8. अन्य उपरिच्यय—(i) अन्य उपरिच्ययों को समाविष्ट करने वाले व्ययों की विभिन्न मदों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन व्ययों को कृत्यों अर्थात् संकर्मों, प्रशासन और विक्रय तथा वितरण के अनुसार विश्लेषित, वर्गीकृत और समूहित किया जाएगा।

(ii) जहां कंपनी नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद से भिन्न किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण में लगी हुई है, वहां अभिलेख स्पष्टरूप से वह आधार उपदर्शित करेंगे जिसका सम्मिलित उपरिच्ययों, जिनके अन्तर्गत कंपनी के प्रधान कार्यालय के नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद और अन्य क्रियाकलापों जिसके अन्तर्गत पूंजी संकर्म है, के व्यय के प्रभाजन के लिए अनुसरण किया गया है। यदि उपरिच्यय में सम्मिलित कतिपय व्ययों की पहचान किसी विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद के रूप में स्थापित की जा सकती है तो ऐसे व्ययों को पृथक् कर दिया जाएगा और यह प्रथमदृष्टया सुसंगत क्रियाकलाप या उत्पाद पर प्रभारित होगा और इसके पश्चात् उपरिच्ययों के उपरोक्त प्रवर्ग के अधीन सामान्य व्यय युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर प्रभारित किया जाएगा और इसे समरूपतः लागू किया जाएगा। पूंजीगत संकर्मों पर प्रभारित उपरिच्यय लागत अभिलेखों में पृथक् रूप से दर्शित किए जाएंगे। लागत अभिलेखों में लागत

केन्द्रों तथा उत्पादों पर उपरिख्यो के प्रभाजन और आमेलन का आधार उपदर्शित किया जाएगा।

(iii) संकर्म, प्रशासन, विप्रेय और वितरण संबंधी उपरिख्यो के ब्यौरे ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कि कम्पनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 2 के प्रोफार्मा में आवश्यक विशिष्टियां प्रस्तुत करने में समर्थ हो सके।

9. अनुसंधान और विकास व्यय—(i) कम्पनी द्वारा, इन नियमों के अधीन आने वाले उत्पादों पर अनुसंधान और विकास कार्य की प्रकृति के अनुसार अर्थात् उत्पादों का विकास, विद्यमान और नया, विनिर्माण की प्रक्रियाओं, विद्यमान और नया संयंत्र सुविधाओं के डिजाइन तथा विकास और विद्यमान तथा नए उत्पादों आदि के लिए बाजार अनुसंधान पर उपगत व्यय के, यदि कोई हो, ब्यौरे दर्शित करने वाले उचित अभिलेख पृथक् रूप से रखे जाएंगे।

(ii) उत्पादों की लागत पर इन व्यय के प्रभारण की यद्यपि लागत अभिलेखों में दर्शित की जाएगी। जहां ऐसे अनुसंधान और विकास कार्य की उपयोगिता एक से अधिक वित्तीय वर्षों पर विस्तारित होती है वहां ऐसे व्यय आस्थगित व्यय के रूप में समझे जाएंगे और नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों के उत्पादन और अन्य उत्पादों, यदि कोई हो, की लागत पर युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किए जाएंगे और निरन्तर रूप से लागू होंगे।

(iii) बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास विभाग द्वारा उपगत व्यय पृथक् रूप से अभिलिखित किया जाएगा और नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद/उत्पादों की लागत से अलग रखा जाएगा। बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने से प्राप्त राशि को भी पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा।

10. ब्याज—इन नियमों के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों और अन्य क्रियाकलापों पर ब्याज की रकम युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर आबंटित प्रभाजित की जाएगी और उसका निरन्तर अनुसरण किया जाएगा। ऐसे प्रभाजन का आधार लागत विवरण में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा। ऐसे उत्पादों की विभिन्न किस्मों पर ब्याज का अंश और प्रभारित करने के आधार भी युक्तियुक्त होंगे और उनका निरन्तर अनुसरण किया जाएगा।

11. निर्यात व्यय/प्रोत्साहन—नियम 2 के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों के निर्यात विक्रय पर, उपगत व्ययों को, यदि उत्पाद/उत्पादों पर लगाया जाता है, यदि कोई हो, दर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख अलग-अलग इस प्रकार रखे जाएंगे ताकि निर्यात विक्रम की लागत सही रूप से अवधारित की जा सके। निर्यात किए गए उत्पादों के लिए लागत विवरण पृथक्कृत: तैयार किए जाएंगे जिसमें उपगत निर्यात व्ययों/अर्जित प्रोत्साहनों का ब्योरा दिया जाएगा। यदि निःशुल्क निर्यात किया गया है तो यह तथ्य लागत विवरणों में व्यक्त किया जाना चाहिए। यदि निःशुल्क आयात वास्तविक उत्पादन के पश्चात् किया गया है तो विवरण से यह बात स्पष्ट होनी चाहिए।

12. केप्टिव उपभोग—नियम 2 के अधीन निर्दिष्ट उन उत्पादों की मात्रा और लागत जो कम्पनी के अन्य विभागों/यूनिटों को केप्टिव उपभोग के लिए अन्तरित की गई है, दर्शाने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे अन्तरण लागत पर किए जाएंगे और लागत अभिलेख में प्रकट किए जाएंगे।

13. पैकिंग—(i) नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पाद के विपणन के लिए तैयार उत्पादों की पैकिंग के लिए विभिन्न पैकिंग सामग्री की मात्रा और लागत तथा उपगत अन्य व्ययों को दर्शाते हुए यथोचित अभिलेख रखा जाएगा। जहां ऐसे व्यय अन्य उत्पादों के लिए भी सम्मिलित रूप में उपगत होते हैं वहां सुसंगत उत्पादों के बीच व्ययों के प्रभाजन का आधार लागत लेखा में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और यह निरन्तर रूप से लागू रहेगा।

(ii) निर्यात पैकिंग पर उपगत व्यय का, यदि कोई हो, विस्तृत अभिलेख भी पृथक् रूप से रखा जाएगा और उसे निर्यात के लिए सुसंगत लागत विवरण में दर्शाया जाएगा।

14. अर्द्ध तैयार माल और तैयार माल स्टॉक—नियम 2 में निर्दिष्ट अर्द्ध तैयार और तैयार माल की लागत का अवधारण करने के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में इस प्रकार उपदर्शित की जाएगी ताकि ऐसे लागत तत्वों को प्रकट किया जा सके तो ऐसी संगणना करने में हिसाब में लिए गए हैं। अर्द्ध तैयार माल की लागत की संगणना करते समय संपरिवर्तन लागत का समुचित अंश पूर्ण होने की स्थिति तक, हिसाब में लिया जाएगा। अर्द्ध तैयार और तैयार माल की लागत का अवधारण करने के लिए अपनाई गई पद्धति का निरन्तर अनुसरण किया जाएगा। अर्द्ध तैयार माल की लागत और तैयार माल की मात्रा और लागत अभिलेख में ऐसे ब्योरों सहित दर्शित की जाएगी जिससे यह कम्पनी को इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 2 के सुसंगत प्रोफार्मा में विशिष्टियां भरने में समर्थ बना सके।

15. लागत विवरण—(i) उस उत्पाद का, जो ऐसे प्रसंस्करण से उत्पन्न हुआ है जो पश्चात्पूर्वी प्रसंस्करण के लिए कच्ची सामग्री बनाता है, मूल्यांकन पूर्ववर्ती स्थिति तक उत्पादन की लागत पर किया जाएगा।

(ii) यदि कम्पनी एक से अधिक कारखाने चला रही है तो प्रत्येक के लिए ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में पृथक्-पृथक् लागत विवरण रखे जाएंगे।

16. उत्पादन अभिलेख—सभी तैयार और पैक किए गए उत्पादों, विक्रय निर्गमों और कम्पनी द्वारा उत्पादित नियम 2 में निर्दिष्ट विभिन्न प्रकार के उत्पादों को अतिशेषों के परिमाणात्मक अभिलेख रखे जाएंगे। सभी तैयार और पैक किए गए उत्पादों की लागत उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के लिए ब्योरेवार रखी जाएगी या नियंत्रण लेखाओं के रूप में रखी जाएगी परन्तु यह तब जब कि ऐसे नियंत्रण लेखाओं के अनुसार अतिशेष के मूल्य का नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों की प्रत्येक श्रेणी के लिए रखे गए परिमाणात्मक लेखा में दर्शाई गई मात्रा के मूल्य के साथ वर्ष में कम से कम एक बार कालिक मिलान कर लिया गया हो।

17. **लागत और वित्तीय लेखाओं का मिलान**—(i) लागत अभिलेखों का वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय लेखा बहियों से इस प्रकार मिलान किया जाएगा जिससे उनकी शुद्धता निश्चित की जा सके। परिवर्तन, यदि कोई हो, स्पष्टरूप से उपदर्शित किए जाएंगे और उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा। मिलान ऐसी रीति से किया जाएगा कि उत्पाद के लाभ को कम्पनी के समग्र लाभ के साथ सही रूप से आंका जा सके और उसका मिलान किया जा सके।

(ii) कम्पनी द्वारा विभिन्न लेखा शीर्षों के अधीन उपगत सभी व्यय और प्राप्त आय और नियम 2 के अधीन उत्पादों को लागू अंश, दर्शाने वाला एक विवरण रखा जाएगा और उसका उस अवधि के लिए वित्तीय लेखाओं के साथ मिलान किया जाएगा।

18. **लागत अन्तरों का समायोजन**— जहां कम्पनी वास्तविक आंकड़ों से भिन्न लागत अभिलेख किसी आधार पर जैसे मानक लागत, रखती है, वहां कम्पनी द्वारा ऐसी पद्धति के अधीन उत्पादन की लागत की संगणना के लिए अनुसरित प्रक्रिया अभिलेख में उपदर्शित की जाएगी। उत्पाद की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अन्तरों के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अन्तरों को इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 2 से संबंधित प्रोफार्मा में सुसंगत शीर्षों के सामने सामग्री, श्रम, उपरिब्यय और मात्रा में टूट-फूट, मूल्य, उपयोगिता, क्षमता, उपभोग का विवरण विश्लेषित रूप में वित्तीय वर्ष के दौरान कम से कम तिमाही में दिया जाएगा। लागत अभिलेख में अन्तरों के कारणों को सम्यक् रूप से स्पष्ट किया जाएगा।

19. **सांख्यिकीय अभिलेख** —(i) विभिन्न उत्पादन विभागों में उपलब्ध मशीन घंटे/प्रत्यक्ष श्रम घंटे और वस्तुतः उपयोग के बारे में भी आंकड़े रखे जाएंगे और कमी का उपयुक्त रूप से विश्लेषण किया जाएगा। मशीन के निष्कार्य समय की संगणना की बाबत उपयुक्त अभिलेख रखा जाएगा।

(ii) नियम 2 में निर्दिष्ट प्रत्येक उत्पाद/उत्पादों और अन्य क्रियाकलापों के लिए लगाई गई पूंजी, शुद्ध निश्चित आस्तियों और कामकाजी पूंजी का पता लगाने की बाबत कम्पनी को समर्थ बनाने के लिए पृथक् यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसी निश्चित आस्तियों के नए विनिधान को जिसका सुसंगत अवधि के दौरान उत्पादन के लिए अभिदाय नहीं किया गया है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अभिलेखों में प्रतिस्थानी के रूप में जोड़ी गई आस्तियों और विद्यमान क्षमता को बढ़ाने के लिए जोड़ी गई आस्तियों को भी दर्शित किया जाएगा।

20. **प्रदूषण नियंत्रण**—पर्यावरण संरक्षण के लिए कम्पनी द्वारा अनेक उपायों जैसे बहिःस्राव उपचार, वायु, जल प्रदूषण नियंत्रण आदि पर उपगत व्यय समुचित रूप से अभिलिखित किया जाना चाहिए।

अनुसूची 2

(नियम 3 देखिए)

प्रोफार्मा 'अ'

कम्पनी का नाम.....

सीमेंट कारखाने की अवस्थिति..... को समाप्त होने वाले वर्ष/अवधि के दौरान उठाए गए चूना-पत्थर की लागत दर्शित करने वाला विवरण

विशिष्टियां	मात्रा (टनों में)
1	2
1. उठाया गया चूना पत्थर	
2. अस्वीकृत घटाएं	
3. उठाई गई शुद्ध मात्रा	
4. दलित्र को भेजा गया	
5. हटाया गया अधिभार	

विशिष्टियां	मात्रा	दर (रुपयों में)	रकम (रुपयों में)
1. विस्फोटक			
2. वेतन और मजदूरी			
3. खपने वाला सामान विनिर्दिष्ट करें		
		
		
4. मरम्मत और अनुरक्षण			
5. शक्ति और ईंधन			
6. अवक्षयण			
7. अन्य व्यय			
8. योग (1 से 7)			
9. स्टॉक समायोजन, यदि कोई है जोड़ें : आरम्भिक स्टॉक घटाएं : बंद स्टॉक			
10. उठाए गए चूना पत्थर की लागत जो प्रोफार्मा 'आ' को अन्तर्गत की गई है।			

टिप्पण—कर्मचारियों को प्रोत्साहन बोनस से भिन्न बोनस, कानून उपदान के लिए उपबन्ध और ब्याज प्रभार इस प्रोफार्मा में दर्शित नहीं किए जाएंगे।

अनुसूची 2

(नियम 3 देखिए)

प्रोफार्मा 'आ'

कम्पनी का नाम.....

सीमेंट कारखाने की अवस्थिति.....

..... को समाप्त होने वाले वर्ष/अवधि के दौरान चूना पत्थर की पिसाई की लागत दर्शित करने वाला विवरण

विशिष्टियां	प्राप्त की गई	पिसाई की गई	हानि (यदि कोई है)	हानि का प्रतिशत (स्तम्भ 2 में आंकड़ों के प्रतिशत के रूप में स्तम्भ 4 के आंकड़े)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
चूना पत्थर				
(क) खन्य की खान से (यदि कोई है तो विनिर्दिष्ट करें)				
(ख) क्रय किया गया				
(ग) योग (क + ख)				

विशिष्टियाँ	मात्रा	दर (रुपयों में)	रकम (रुपयों में)
(1)	(2)	(3)	(4)
1. चूना पत्थर			
(क) स्वयं का (प्रोफार्मा			
'अ' के अनुसार)			
(ख) क्रय किया गया			
2. परिवहन लागत			
3. वेतन और मजदूरी			
4. सामान और फालतू पुर्जें			
5. शक्ति			
6. मरम्मत और अनुरक्षण			
7. अवक्षयण			
8. योग (1 से 7)			
जोड़ें : आरम्भिक स्टाक			
घटाएं : बंद स्टाक			
9. पिसे हुए चूने पत्थर की लागत जो			
प्रोफार्मा 'ई' को अन्तर्गत की गई है			

टिप्पण—कर्मचारियों को प्रोत्साहन बोनस से भिन्न बोनस कानूनी उपदान के लिए उपबन्ध और ब्याज प्रभार इस प्रोफार्मा में दर्शित नहीं किए जाएंगे।

अनुसूची 2

(नियम 3 देखिए)

प्रोफार्मा 'इ'

कम्पनी का नाम.....

सीमेंट कारखाने की अवस्थिति.....

..... को समाप्त होने वाले वर्ष/अवधि के दौरान किलंकर की लागत दर्शित करने वाला विवरण

विशिष्टियाँ	मात्रा (टनों में)
1	2
1. प्राप्त किया गया पिसा हुआ चूना पत्थर	
2. खपत किया गया	
3. अपव्यय आदि	
4. उत्पादित किलंकर	

विशिष्टियाँ	मात्रा	दर प्रति यूनिट	रकम (रु. में)	लागत प्रति टन	
				चालू वर्ष (रु. में)	पूर्व वर्ष (रु. में)
1	2	3	4	5	6
1. अपरिष्कृत सामग्री					
(क) चूना पत्थर (प्रोफार्मा 'आ' से)					
(ख) मिट्टी					
(ग) कोयला					
(घ) अन्य					
(ङ) योग					
2. शक्ति					
3. वेतन और मजदूरी					
4. सामान और फलतू पुर्जे					
5. मरम्मत और अनुरक्षण					
6. अवक्षयण					
7. योग (1 से 6)					
8. सामान समायोजन					
जोड़ें : आरम्भिक स्टॉक					
घटाएं : बंद स्टॉक					
9. अन्तरित क्लिंकर की लागत					
(क) कैप्टिव उपभोग (प्रोफार्मा 'ई')					
(ख) स्थानीय विक्रय के लिए					
(ग) निर्यात विक्रय के लिए					
(घ) अघः योग (क+ख+ग)					

टिप्पणी—कर्मचारियों को प्रोत्साहन बोनस से भिन्न बोनस, कानूनी उपदान के लिए उपबन्ध और ब्याज प्रभार इस प्रोफार्मा में दर्शित नहीं किए जाएंगे।

अनुसूची 2

(नियम 3 देखिए)

प्रोफार्मा 'ई'

कम्पनी का नाम.....

सीमेंट कारखाने की अवस्थिति

..... को समाप्त होने वाले वर्ष/अवधि के दौरान उत्पादित सीमेंट की लागत दर्शित करने वाला विवरण

	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. उत्पादित सीमेंट की शुद्ध मात्रा		

विशिष्टियां	मात्रा	दर प्रति यूनिट (रु. में)	रकम (रु. में)	लागत प्रति टन	
				चालू वर्ष (रु. में)	पूर्व वर्ष (रु. में)
1	2	3	4	5	6
1. सामग्री					
(क) बिलंकर (प्रोफार्मा (‘इ’ के अनुसार)					
(ख) जिप्सम					
(ग) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)					
(घ) योग (क + ख + ग)					
2. अपने योग्य सामान					
3. प्रत्यक्ष वेतन और मजदूरी					
4. शक्ति					
5. बहि : स्लाव उपचार व्यय					
6. मरम्मत और अनुरक्षण					
7. अन्य संकर्म उपरिख्य					
8. अवक्षयण					
9. प्रशासनिक उपरिख्य					
10. योग : (1 से 9)					
11. घटाएं : उपोत्पाद के लिए वसूलनीय मूल्य यदि कोई है।					
12. योग : (10-11)					
13. अर्द्ध-तैयार माल के आरम्भिक और बंद अतिशेष के लिए समायोजन					
14. स्टॉक समायोजन					
जोड़ें : आरम्भिक स्टॉक					
घटाएं : बंद स्टॉक					
15. शुद्ध सीमेंट की कुल लागत जो प्रोफार्मा उ को अन्तर्गत की गई है					

- टिप्पण : 1. बहु उत्पाद यूनिटों के मामले में उत्पाद पर प्रधान कार्यालय व्यय और अन्य सामान्य उपरिख्यों का प्रभाजन साम्यापूर्ण होगा।
2. वह आधार जिस पर उपोत्पाद के लिए वसूलनीय मूल्य अवधारित किया गया है, स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा। ऐसे व्यय, यदि कोई हो, जो उपोत्पादों के व्ययन के लिए उपगत किए गए हों, वसूलनीय मूल्य निकालने के लिए हिसाब में लिए जाएंगे।
3. इस प्रोफार्मा का स्टॉक समायोजन केवल शुद्ध सीमेंट से संबंधित होगा।
4. कर्मचारियों को प्रोत्साहन बोनस से भिन्न बोनस, कानूनी उपदान के लिए उपबन्ध और ब्याज प्रभार इस प्रोफार्मा में दर्शित नहीं किए जाएंगे।

अनुसूची 2
(नियम 3 देखिए)
प्रोफार्मा 'उ'

कम्पनी का नाम

सीमेंट कारखाने की अवस्थिति

..... को समाप्त होने वाले वर्ष/अवधि के दौरान विक्रय किए गए सीमेंट की लागत दर्शित करने वाला विवरण

	चालू वर्ष (टनों में)	पूर्व वर्ष (टनों में)
1. पैक की गई मात्रा		
2. विक्रय की गई मात्रा		
3. कम्पनी की अन्य यूनिटों द्वारा स्वयं के उपभोग के लिए उपयोग में लाई गई मात्रा		

विशिष्टियां	मात्रा (रुपयों में)	दर (रुपयों में) प्रति यूनिट	रकम (रु. में)	लागत प्रति टन	
				चालू वर्ष (रु.)	पूर्व वर्ष (रु.)
1	2	3	4	5	6
1. (क) शुद्ध सीमेंट की लागत (प्रोफार्मा 'ई' के अनुसार) (ख) पैक करने की लागत					
2. (i) बोरियां (ii) अन्य पैक करने की सामग्री (iii) वेतन और मजदूरी (iv) संकर्म उपरिष्वय (v) अवक्षयण योग (ग) घटाएं अपना उपभोग (घ) स्टॉक समायोजन जोड़ें : आरम्भिक स्टॉक घटाएं : बंद स्टॉक (ङ) विक्रय किए गए सीमेंट की शुद्ध लागत					
2. विक्रय और वितरण व्यय (i) वेतन और मजदूरी (ii) विक्रय अभिकर्ताओं को दिया गया कमीशन (iii) भाड़ा और परिवहन (iv) भराई और उतराई प्रभार (v) गोदाम किराया (vi) अन्य व्यय					

1	2	3	4	5	6
3.	कुल लागत जिसके अन्तर्गत विक्रय और वितरण व्यय सम्मिलित हैं				
4.	ब्याज प्रभार				
5.	कर्मचारियों को वार्षिक बोनस (क) कानूनी न्यूनतम बोनस (ख) अन्य (ग) योग (क + ख)				
6.	कानूनी उपदान के लिए उपबन्ध				
7.	लागत में सम्मिलित न किए गए अन्य व्यय (विनिर्दिष्ट करें) योग				
8.	घटाएँ : लागत में हिसाब में न ली गई कोई अन्य आय (मदें विनिर्दिष्ट करें)				
9.	उत्पाद-शुल्क से भिन्न शुद्ध व्यय देश में विक्रय की गई मात्रा पर उत्पाद शुल्क से भिन्न कुल विक्रय वसूली				
10.	अन्तर				

टिप्पण : (1) बहु उत्पाद यूनिटों के मामले में उत्पाद पर सामान्य विक्रय और वितरण व्ययों का प्रभाजन साम्यापूर्ण होगा।

(2) केवल वास्तविक रूप से उपगत ब्याज प्रभार ही दर्शित किए जाएंगे।

(3) कर्मचारियों को प्रोत्साहन बोनस से भिन्न बोनस, कम्पनी उपदान के लिए उपबन्ध और ब्याज पृथक् रूप से केवल इस प्रोफार्मा में दर्शित किए जाएंगे।

(4) विक्रय किए गए सीमेंट की प्रत्येक श्रेणी के लिए विक्रय वसूली पृथक् रूप से दर्शित की जाएगी।

(5) इस प्रोफार्मा के अधीन निर्यात किए गए सीमेंट के संबंध में जहाँ निर्यातों पर उपगत व्यय, उन पर अर्जित प्रोत्साहन पृथक् लागत विवरण में रखे जाएंगे उन्हें भी दर्शित किया जाएगा।

[फा. सं. 52/8/सीएबी-96]

आर.डी. जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Company Affairs)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th September, 1997

G.S.R. 536 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), and in supersession of the Notification of the Government of India, Ministry of Law, (Department of Company Affairs) bearing G.S.R. 1402 dated 12th September, 1966, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, hereby makes the following rules, namely :-

1. Short Title and Commencement: (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Cement) Rules, 1997

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application: (1) These rules shall apply to every company engaged in the production or manufacture of Clinker or Cement or both.

(2) The provision of sub-rule (1) shall not apply to a company,

(a) the aggregate value of the machinery and plant installed wherein does not exceed Rupees sixty lakh as on the last day of the preceding financial year, and for this purpose the value of any machinery or plant shall be.-

(i) in the case of any machinery or plant owned by the company, the cost thereof to the company; and

(ii) in the case of any machinery or plant held by the Company on lease or by hire purchase, the cost thereof as in the case of owner of such machinery or plant; and

(b) the aggregate value of the turnover made by the Company from the sale or supply of all its products during the preceding financial year does not exceed rupees ten crore.

3. Maintenance of Records: (a) Every company to which these rules apply shall, at regular intervals as well as each of its financial year commencing on or after the commencement of these rules, keep proper books of accounts containing, inter-alia, the particulars specified in Schedules I and II including proformae A, B, C, D and E annexed to these rules, relating to the utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to product(s) referred to in rule 2 :-

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to products referred to

in rule 2, the particulars relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to such other products or activities shall not be included in the cost of the product(s) referred to in rule 2.

(b) The books of accounts referred to in sub-rule (a) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate the cost of production and cost of sales of product(s) referred to in rule 2 at regular intervals as well as for the financial year as a whole, from the particulars entered therein and every such books of accounts and the Proformae specified in Schedules annexed to these rules shall be completed not later than ninety days from the closing of the financial year, of the company to which they relate,

(c) It shall be the duty of every person referred to in sub-section (6) and a person having been charged by the person mentioned in sub-section (6) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) to take all reasonable steps to secure compliance by the company with the provisions of sub-rules (a) and (b) of this rule in the same manner as the person is liable to maintain accounts required under sub-section (1) of section 209 of the said Act.

(d) Statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedules annexed to these rules, which shall be such as to enable the company to exercise as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economics in cost and provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the points referred to in Cost Audit (Report) Rules, 1996.

4. Penalty: If a company contravenes the provisions of rule 3, the company and every person in default referred to in sub-rule (c) of rule 3 shall subject to the provisions of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) be punishable with fine which may extend to Rupees five hundred and where the contravention is a continuing one with a further fine which may extend to Rupees fifty for every day after the first day during which period such contravention continues.

SCHEDULE I

(See rule 3)

1. MATERIALS :

(i) (a) Proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of direct materials required and actually used in the production, processing or manufacture of products referred to in rule 2, in any form or any type. These records for direct materials shall contain such details as to enable the company to determine the quantity and cost of receipt (including all direct

charges upto the works in respect of all major direct materials), separately for imported and indigenous supplies.

(i) (b) Where some of the raw material are raised from mines owned or leased by the companies or are produced or manufactured by them, separate records showing the cost of raising, procuring or manufacturing such raw materials shall be maintained.

(ii) Proper records shall be maintained indicating the quantity and cost of by-product recovered in the different processes having significant value say five per cent or above of the cost of input of materials. In the case of by-products recovered, which cannot be reused in the process and are sold or disposed of without further processing, the realisation from such sales shall be recorded and adjusted against the process concerned on a reasonable basis. In case further processing is necessary to make these by-products usable or saleable, as the case may be, adequate records of cost involved for such further processing shall be maintained and the net realisation adjusted against the process concerned. The basis adopted for valuation of the by-products shall be equitable and consistent. Records indicating the actual sales realisation of by-products shall also be maintained.

(iii) Proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and cost of each item of any process material or chemicals, consumable stores, small tools and machinery spares. The cost shall include all direct charges upto works.

(iv) In the case of consumable stores and small tools the cost of which are insignificant, the company may, if it so desires, maintain such records for the group of such items.

(v) The cost of consumption of consumable stores, small tools, and machinery spares shall be charged to the relevant cost centres on the basis of actual issues.

(vi) Proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastages, spoilages, rejections and losses of raw materials, process materials, consumable stores small tools and machinery spares, whether in transit, storage, manufacture or at any other stage. The method followed for adjusting the above losses as well as the income derived from the disposal of rejected and waste materials including spoilages if any, in determining the cost of product shall be indicated in the cost records. Any abnormal, wastages or spoilages etc. shall be indicated distinctly and separately along with reasons thereof.

(vii) Where MODVAT is availed on any item of material, cost thereof shall be shown at net of MODVAT.

2. SALARIES AND WAGES :

(i) Proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees of the cost centres/ departments and the work on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each cost centre/department :

- (a) Piece rate wages earned (wherever applicable);
- (b) Incentive wages earned, either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output;
- (c) Overtime Wages earned;
- (d) Earnings of casual labour;

(ii) The records shall be maintained in such a manner so as to enable the company to furnish necessary particulars under this head in the Proforma of the Schedules II appended to these rules. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any cost centre/department, the labour charges shall be apportioned to the cost centres/department on equitable basis and applied consistently.

(iii) Idle time shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of idle time payments in determining the cost of product shall be disclosed in the cost records.

(iv) Any wages and salaries allocable, to capital works such as additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads.

3. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES :

Detailed records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of each service department or cost centre like laboratory, welfare, transport etc. These expenses shall be apportioned to other services and production departments on equitable basis and applied consistently. Where these services are utilised for other products of the company, the basis of apportionment to the Product(s) referred to in rule 2 and to the other products shall be equitable and clearly indicated in the records and applied consistently.

4. UTILITIES :

(i) Water- Proper records showing the quantity and cost of treated/cooling water purchased and consumed, if any, for the manufacture of the product(s) in different cost centres/departments shall be maintained.

(ii) Steam- Proper records showing the quantity and cost of steam produced and consumed for the manufacture of the product shall be maintained. The cost of steam consumed by the Cement plant and other units of the company shall be calculated on a reasonable basis and applied consistently. Where steam is produced and supplied by any other unit of the company to the Cement plant, the cost of steam so supplied shall be charged to Cement plant on a reasonable basis and applied consistently.

(iii) Power- (a) Proper records shall be maintained for the quantity and cost of power purchased. Where power is generated by the company itself, adequate records shall be maintained to show the cost of power generated and consumed for the production of the product referred to in rule 2 in different cost centres/departments etc.

(b) Where power is generated and supplied by any other unit of the company to the plant, adequate records shall be maintained to indicate the quantity and cost of power so supplied. The cost of power allocated to production of the product referred to in rule 2 shall be on a reasonable basis and applied consistently.

(iv) Utilities other than water, steam and power :- Proper records shall be maintained in respect of any other utilities other than water, steam and power produced or purchased by the company.

5. WORKSHOP/REPAIRS AND MAINTENANCE/TOOL ROOMS :

(i) Proper records showing the expenditure incurred by the workshop under different heads and on repairs and maintenance by the various cost centres/ departments shall be maintained. The records shall also indicate the basis of charging the workshop/tool room expenses to different cost centres/departments and units. Where maintenance work is done by direct workers of any production cost centre, the wages and salaries of such workers shall be treated as direct expenses of the respective cost centre. If the services are utilised for other products also, the manner of charging a share to product(s) referred to in rule 2 shall be equitable and clearly indicated in records and applied consistently.

(ii) Expenditure on major repair works from which benefit is likely to accrue for more than one financial year, shall be shown separately in the cost records indicating the method of accounting in determining the cost with reference to the relevant period.

(iii) The jobs carried out by workshops of Cement unit for other units of the company shall be charged on a reasonable basis and applied consistently.

6. DEPRECIATION :

The basis on which depreciation is calculated and allocated/apportioned to the various cost centres/departments and absorbed on the products shall be clearly indicated in the cost records. Depreciation chargeable to the different cost centres/departments shall not be less than the amount of depreciation chargeable in accordance with provisions of sub-section (2) of Section 205 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and shall relate to Plant and Machinery and other fixed assets utilised in such cost centres/departments. In case the amount of depreciation charged in the cost accounts in a financial year is higher than the amount of depreciation chargeable under the aforesaid provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the amount so charged in excess shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of the said excess on the per unit cost of the product(s) referred to in rule 2. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset.

7. ROYALTY/TECHNICAL KNOW-HOW FEE :

Adequate records shall be maintained showing the royalty or other recurring or non-recurring payments if any, made to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such collaborator or supplier. The basis of charging such amounts including one time payments to the products shall be indicated in the cost records.

8. OTHER OVERHEADS :

(i) Proper records shall be maintained showing the various items of expenses comprising the other overheads. These expenses shall be analysed, classified and grouped according to functions, viz. works, administration and selling and distribution.

(ii) Where the company is manufacturing any product(s) other than those product referred to in rule 2, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the company to the product referred to in rule 2 and other activities including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular activity or product, such expenses shall be segregated and charged to the relevant activity or product in the first instance and thereafter the common expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on a reasonable and equitable basis and applied consistently. Overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. Basis of apportionment or absorption of overheads to the cost centres and products shall be indicated in the cost records.

(iii) The details of works, administration and selling and distribution overheads shall be maintained in such a manner so as to enable the

company to fill up the necessary particulars in proforma of Schedule II annexed to these rules.

9. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES :

(i) Proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company for the research and development work on the products covered under these rules according to the nature viz., development of products, existing and new; processes of manufacture, existing and new, design and development of new plant facilities and market research for the existing and new products etc. shall be maintained separately.

(ii) The method of charging these expenses to the cost of products shall be indicated in the cost records. Where the utility of such research and development work extends over more than one financial year, such expenses shall be treated as deferred expenses and charged to the cost of production of product(s) referred to in rule 2 and to other products, if any, on a reasonable basis and applied consistently.

(iii) Expenses incurred by the Research and Development department for furnishing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and excluded from the cost of product(s) referred to in rule 2. The amount charged for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated separately.

10. INTEREST :

The amount of interest shall be allocated/apportioned to the products covered by these rules and other activities on a reasonable and equitable basis which shall be followed consistently. The basis of such apportionment shall be spelt out clearly in the cost statements. Basis of further charging of the share of the interest to the various types of such products shall also be reasonable and the same shall be followed consistently.

11. EXPENSES/INCENTIVES ON EXPORTS :

Proper records showing the expenses incurred on the export sales, if effected, of the products covered by rule 2, if any, shall be separately maintained, so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate Cost statement shall be prepared for products exported giving details of export expenses incurred/incentive earned. In case, duty free imports are made the cost statements should reflect this fact. If the duty free imports have been made after actual production, the statement should reflect this fact.

12. CAPTIVE CONSUMPTION :

Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of product(s) referred to under rule 2 transferred to other department(s)/unit(s)

of the company for captive consumption. Such transfers shall be effected at cost and shall be disclosed in the cost records.

13. PACKING :

(i) Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of various packing materials and other expenses incurred for packing the finished products for the marketing of the product referred to in rule 2. Where such expenses are incurred in common for other products also, the basis of apportioning the expenses between the relevant products shall be clearly indicated in the cost records and applied consistently.

(ii) Detailed records of the expenses incurred on export packing, if any, shall also be kept separately and exhibited in the relevant cost statements for exports.

14. WORK IN PROGRESS AND FINISHED GOODS STOCK :

The method followed for determining the cost of work in progress and finished goods referred to in rule 2, shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost elements that have been taken into account in such computation. The appropriate share of conversion cost upto the stage of completion shall be taken into account while computing the cost of work in progress. The method adopted for determining the cost of work in progress and finished goods shall be followed consistently. Records showing the cost of work in progress and the quantities and the cost of finished goods shall be maintained in such details as to enable the company to fill up the particulars in relevant Proforma of the Schedule II annexed to these rules.

15. COST STATEMENTS :

(i) The product emerging from a process which forms raw material for a subsequent process shall be valued at the cost of production upto the previous stage.

(ii) If the company is operating more than one factory, separate cost statements as specified above shall be maintained in respect of each factory.

16. PRODUCTION RECORDS :

Quantitative records of all finished and packed production, issues for sales and balances of different types of products referred to in rule 2 produced by the company shall be maintained. The cost of all finished and packed production shall be kept in detail for each type of product or in the form of control accounts provided the value of the balances according to such control accounts are reconciled periodically at least once in a year with the value of the quantities shown in the quantitative account maintained for each type of products referred to in rule 2.

17. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS :

(i) Cost records shall be reconciled with the financial books of account for the financial year so as to ensure accuracy. Variations, If any, shall be clearly indicated and explained. The reconciliation shall be done in such a manner that profit of the product under reference can be correctly arrived at and reconciled with the over all profit of the company.

(ii) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to the products under rule 2 shall be maintained and reconciled with the financial accounts for the period.

18. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES :

Where the company maintains cost records on any basis other than actual such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of product under such system. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the product shall be indicated clearly in the cost records. The cost variances shall be shown against the separate heads in the respective Proformae of Schedule II annexed to these rules and analysed into material, labour, overheads and broken up into quantity, price, efficiency, capacity utilisation and shall be made at least quarterly during the financial year. The reason for the variances shall be duly explained in the cost records.

19. STATISTICAL RECORDS :

(i) Data regarding available machine hours/direct labour hours in different production departments and actually utilised shall also be maintained and shortfall suitably analysed. Suitable records for computation of idle time of machines shall be maintained.

(ii) Adequate records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for the product referred to in rule 2 and other activities. Fresh investments on fixed assets that have not contributed to the production during the relevant period, shall be indicated in the cost record. The records shall, In addition show assets added as replacement and that added for increasing existing capacity.

20. POLLUTION CONTROL :

Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, water should be properly recorded.

SCHEDULE-II

(See Rule 3)

PROFORMA 'A'

Name of the Company.....

Location of the Cement Factory.....

Statement showing the cost of limestone raised during the year/period ended.....

Particulars	Quantity (Tonnes)
1	2
1. Lime Stone raised	
2. Less rejected	
3. Net Qty raised	
4. Transported to crusher	
5. Overburden removed	

Particulars	Quantity	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)
1	2	3	4
1. Explosives			
2. Salaries & Wages			
3. Consumable Store			
Specify			

4. Repairs & Maintenance			
5. Power & Fuel			
6. Depreciation			
7. Other exp.			
8. Total (1 to 7)			
9. Stock adjustments, if any			
Add : Opening Stock			
Loss : Closing Stock			
10. Cost of limestone raised transferred to Proforma B.			

Note: Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall not be shown in this Proforma.

SCHEDULE II

(See Rule 3)

Proforma 'B'

Name of the Company

Location of Cement Factory

Statement showing the cost of Lime Stone Crushing during the year/period ended.....

Particulars	Received	Crushed	Loss (in any)	% of loss (Figures in col. 4 as a % of figures in Col. 2)
1	2	3	4	5

Lime Stone(a) Own Mine (if any,
specify)

(b) Purchased

(c) Total (a+b)

Particulars	Quantity	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)
1	2	3	4

1. Lime Stone

(a) Own (as per Proforma A)

(b) Purchased

2. Transport Cost

3. Salaries & Wages

4. Stores & spares

5. Power

6. Repair & Maintenance

7. Depreciation

8. Total (1 to 7)

Add : Opening Stock

Loss : Closing Stock

9. Cost of Crushed Lime Stone Transferred to Proforma C

Note: Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest changes shall not be shown in this proforma.

SCHEDULE II

(See Rule 3)

Proforma 'C'

Name of the Company

Location of Cement Factory

Statement showing the cost of clinker during the year/period ended

Particulars	Quantity (Tonne)
1. Crushed Lime Stone Received	
2. Consumed	
3. Wastage etc.	
4. Clinker Produced	

Particulars	Qty	Rate per Unit	Amount (Rs.)	Cost per Tonne	
				Current Year (Rs.)	Previous Year (Rs.)
1	2	3	4	5	6
1. Raw Material					
(a) Lime Stone					
(from Proforma B)					
(b) Clay					
(c) Coal					
(d) Others					
(e) Total					
2. Power					
3. Salaries & Wages					
4. Stores & Spares					
5. Repair & Maintenance					
6. Depreciation					
7. Total (1 to 6)					
8. Stores Adjustment					
Add : Opening Stock					
Loss : Closing Stock					
9. Cost of Clinker transferred					
(a) Captive Consumption					
(Proforma D)					
(b) For local sales					
(c) For export sales					
(d) Total. (a+b+c)					

Note: Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest changes shall not be shown in this proforma.

SCHEDULE II

(See Rule 3)

Proforma 'D'

Name of the Company

Location of the Cement Factory

Statement showing the cost of Cement produced during the year/period ended

				Current Year	Previous Year
1. Qty of naked Cement Produced					
Particulars	Qty	Rate per Unit (Rs.)	Amount (Rs.)	Cost per Tonne	
				Current Year (Rs.)	Previous Year (Rs.)
1	2	3	4	5	6
1. Materials:					
(a) Clinker (As per proforma C)					
(b) Gypsum					
(c) Others (to be specified)					
(d) Total (a+b+c)					
2. Consumable Stores					
3. Direct Salaries and wages					
4. Power					
5. Effluent Treatment Expenses					
6. Repairs and Maintenance					
7. Other works overheads					
8. Depreciation					
9. Administration overheads					
10. Total (1 to 9)					
11. Less: realisable value for by product, if any					
12. TOTAL (10-11)					
13. Adjustment for opening and closing balance of work in progress					
14. Stock adjustment					
Add opening stock:					
Loss closing stock:					
15. Total cost of naked cement transferred to Proforma E					

Notes:

- (1) The apportionment of head office expenses and other common overheads to the product in the case of multi-product units shall be equitable.
- (2) The basis on which the realisable value for by-product is determined shall be clearly indicated. Expenditure, if any, incurred for the disposal of the by-products shall be taken into account in arriving at the realisable value.
- (3) The stock adjustments of this Proforma shall relate to naked Cement only.
- (4) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory and interest charges shall not be shown in this proforma.

SCHEDULE II

(See Rule 3)

Proforma 'E'

Name of the Company

Location of the Cement Factory

Statement showing the cost of Cement sold during the year/period ended

	Current Year (Tonne)		Previous Year (Tonne)	
(1) Quantity packed				
(2) Quantity sold				
(3) Quantity used for self consumption by other units of the company				

Particulars	Qty.	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)	Cost per Tonne	
				Current year (Rs.)	Previous year (Rs.)
1	2	3	4	5	6
1. (a) Cost of naked Cement (as per Proforma D)					
(b) Packing Cost					
(i) Gunny bags					
(ii) Other packing materials					
(iii) Salaries and Wages					
(iv) Works Overheads					
(v) Depreciation					
TOTAL					
(c) Less: Self Consumption					
(d) Stock adjustment:					
Add: Opening Stock					
Less: Closing Stock					
(e) Net cost of Cement sold					
2. Selling and Distribution Expenses:					
(i) Salaries and Wages					
(ii) Commission to selling agents					
(iii) Freight and Transport					
(iv) Loading and unloading charges					
(v) Godown rent					
(vi) Other expenses					
3. Total cost including selling and distribution expenses					
4. Interest charges					

5. Annual bonus to employees
 - (a) Statutory Minimum Bonus
 - (b) other
 - (c) Total (a+b)
6. Provision for statutory gratuity
7. Other expenses not included in cost (to be specified)
- TOTAL
8. Less: any other income not considered in costs (items to be specified)
9. Net expenses excluding excise duty
10. Total sales realisation excluding excise duty for quantity sold within the country:
11. Margin

Notes:

- (1) The apportionment of common selling and distribution expenses to the product in the case of multi-product units shall be equitable.
- (2) Interest charges actually incurred shall only be shown.
- (3) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest shall be shown separately in this Proforma only.
- (4) Sales realisation shall be shown separately for each grade of Cement sold.
- (5) Separate cost statement under this proforma shall be maintained in respect of Cement exported wherein expenses incurred on exports incentive earned thereon shall also be shown.

[F. No. 52/8/CAB-96]

R.D. JOSHI, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1997

सा. का. नि. 537 (अ) :—केन्द्रीय सरकार कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (ध) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के औद्योगिक विकास अन्तरदेशीय व्यापार और कंपनी कार्य मंत्रालय (कंपनी कार्य विभाग) की अधिसूचना सा. का. नि. 1465 तारीख 17 मई, 1969 को उन बातों के सिवाय अधिक्रान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (मोटर यान) नियम, 1997 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना—ये ऐसी प्रत्येक कंपनी को लागू होंगे जो यात्री या वाणिज्यिक मोटर यानों जिनमें निम्नलिखित यानों का विनिर्माण भी है, के विनिर्माण में लगी हुई हैं, अर्थात् :—

(क) सभी प्रकार की यात्री कार, जीप और स्टेशन वैगन

(ख) सभी प्रकार की वाणिज्यिक यान परिधान और पिकअप यान

(ग) मोटर साइकिल, स्कूटर, स्कूटरेटस और मोपेड

(घ) तिपाहिए यान।

परन्तु ये नियम किसी ऐसी कंपनी को लागू नहीं होंगे :—

भारत का राजपत्र असाधारण भाग II खंड 3 उपखंड (i) तारीख 12 अप्रैल, 1996

(क) जिसमें प्रतिष्ठापित मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन को साठ लाख रुपए से अधिक न हो और इस प्रयोजन के लिए, किसी मशीनरी या संयंत्र का मूल्य निम्नलिखित होगा :—

(i) कंपनी के स्वामित्वाधीन किसी मशीनरी या संयंत्र की दशा में उस पर कंपनी की लागत, और

(ii) कंपनी द्वारा पट्टे पर या अवक्रय आधार पर धारित किसी मशीनरी या संयंत्र की दशा में ऐसी मशीनरी या संयंत्र के स्वामी की उस पर लागत; और

(ख) जिसमें कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान अपने सभी उत्पादों के विक्रय पर प्रदाय से किए गए आपन का कुल मूल्य दस करोड़ रुपए से अधिक नहीं है।

3. अभिलेखों का रखा जाना

(क) ऐसी प्रत्येक कंपनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं इन नियमों के प्रारंभ होने की तारीख को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने की तारीख को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले प्रत्येक अपने वित्तीय वर्ष तथा नियमित अंतरालों पर उचित लेखा बहियां रखेगी जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के सम्बन्ध में, जहां तक वे नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयानों को लागू होते हैं इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 1 और 2 जिसमें प्रोफार्मा क, ख, ग और घ भी हैं में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां होंगी,

परन्तु यदि उक्त कंपनी किसी/कितनी अन्य उत्पाद/ उत्पादों का विनिर्माण कर रही है या नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलापों में लगी हुई है, तो ऐसी सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों में उपयोग के संबंध में जहां तक वे ऐसे अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों को लागू होती हैं, विशिष्टियां नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों को लागत में सम्मिलित नहीं की जाएगी।

(ख) उपनियम (क) में निर्दिष्ट लेखा बहियां नियमित रूप से ऐसी रीति में रखी जाएगी ताकि उनमें की गई विशिष्टियों से नियम 2 में निर्दिष्ट सभी प्रकार के मोटरयानों के उत्पादन की लागत और विक्रय की लागत की नियमित अंतरालों पर और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए भी संगणना करना संभव हो सके और ऐसी प्रत्येक लेखा बही और इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा कंपनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे उनका संबंध है, समाप्ति से नब्बे दिन के भीतर पूरे कर लिये जायेंगे।

(ग) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (6) से निर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति और उपधारा (6) में वर्णित उस व्यक्ति द्वारा प्रभारित किए जाने पर किसी व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह कंपनी द्वारा इस नियम के उपनियम (क) और (ख) के उपबन्धों पर उसी रीति से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी युक्ति युक्त कदम उठाए जिसे रीति से यह उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित लेखाओं को रखने के लिये उत्तरदायी है।

(घ) सांख्यिकीय और अन्य अभिलेख इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूचियों के उपाबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे। जो ऐसे होंगे जिससे कंपनी, जहां तक संभव हो सके, लागतों में अधिकतम मितव्ययिता प्राप्त करने और ऐसे आवश्यक आंकड़े उपलब्ध करने की दृष्टि में लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 1996 में निर्दिष्ट सभी प्रश्नों पर युक्ति युक्त रूप से रिपोर्ट देने के लिये लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपेक्षित है, विभिन्न संक्रियाओं और लागतों पर नियंत्रण रखने से समर्थ हो सके।

1. शस्ति—यदि कोई कंपनी नियम 3 के उपबन्धों का उल्लंघन करती है तो कंपनी और नियम 3 के उपनियम (ग) में निर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति जो व्यक्तिगत करता है कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, जुर्माने से, जो पांच सौ रुपए तक हो सकेगा और जहां उल्लंघन जारी रहता है वहां अतिरिक्त जुर्माने से, जो प्रथम दिन के पश्चात् प्रत्येक ऐसे दिन के लिये, जिस अवधि दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहता है, पचास रुपए तक हो सकेगा, दंडनीय होगा।

अनुसूची 1

(नियम 3 देखिए)

1. सामग्री—

1. (1) नियम 2 में निर्दिष्ट विभिन्न प्रकार के उत्पादों के उत्पादन प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए अपेक्षित और अयुक्त प्रत्यक्ष सामग्री (जिसके अंतर्गत खरीदे गए घटक, सी. के. डी. आदि भी हैं) की प्रत्येक मद की सभी प्राप्ति, निर्गमों और अतिशेषों की मात्राएं और लागत, दोनों को पृथक् पृथक् दर्शित करने वाले उचित अभिलेख किसी भी प्ररूप में या किसी भी प्रकार से रखे जायेंगे।

प्रत्यक्ष सामग्रियों के इन अभिलेखों में ऐसे ब्यौरे दिए जाएंगे जिससे कि कंपनी उत्पादित मोटरयानों के लिए आयातित और देशी प्रदायों की मात्रा, प्राप्ति की लागत (जिसके अंतर्गत सभी मुख्य प्रत्यक्ष सामग्रियों की बाबत संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार हैं) अवधारित कर सके। ऐसे आयातित सामग्री की दशा में जिसके अंतर्गत ऐसी सामग्री है, जिसकी व्यवस्था सरकारी अधिकरणों के माध्यम से की जाती है, (पोत पर्यन्त निःशुल्क) कीमत, भाड़ा, बीमा प्रभार, सीमा शुल्क, पत्तन प्रभार, अन्तर्देशीय भाड़ा और उठाई भराई तथा निकासी के लिए संदत्त प्रभार के ब्यौरे पृथक् पृथक् अभिलिखित किये जाएंगे। यह आधार, जिस पर निर्गमों और उपभोग की उक्त मात्राओं और लागत की संगणना की गई है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जायेगा और उसका समतुल्य अनुसरण किया जायेगा।

1. (2) ऐसी दशा में जहां कंपनी द्वारा नियम 2 में निर्दिष्ट मदों के उत्पादन में अपेक्षित बृहत समुच्चयों/उप समुच्चय जैसे इंजिन ट्रांसमिशन, फ्रेम, बॉडी, बैटरी आदि विनिर्मित किये जाने हैं, वहां ऐसी प्रत्येक मद की विनिर्माण लागत दर्शित करने वाले अभिलेख, जिसमें उत्पाद में खपत हुई कच्ची सामग्री और संपरिवर्तन लागत का पृथक्-पृथक् विवरण उपदर्शित किया गया हो रखे जाएंगे।

1. (3) यदि कंपनी द्वारा किसी ऐसे प्रसंस्करण रसायन का विनिर्माण किया जाता है जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन विहित लागत लेखा (अभिलेख) नियमों के अंतर्गत आता है तो इन मदों की लागत निकालने के लिए नियमानुसार उचित लेखा अभिलेख रखे जाएंगे।

1. (4) यदि खपाई गई सामग्री की मात्रा और मूल्य का अवधारण मानक लागत पर अवधारित किया जाता है तो इसके लिए अपनायी गई पद्धति का उल्लेख लागत अभिलेख में किया जाएगा और उसका निरंतर अनुसरण किया जाएगा सामग्री की ऐसी वास्तविक मात्रा और मूल्य का सम्पूर्ण मिलान उसमें अन्तर के कारणों को स्पष्ट करते हुए वित्तीय वर्ष के दौरान नियमित रूप से किया जायेगा। नियम 2 में निर्दिष्ट मदों की लागत के अवधारण में ऐसे अन्तरों का निदान लागत अभिलेख में उपदर्शित किया जाएगा।

1. (5) खपने वाले सामान, प्रसंस्करण सामग्री, रसायन छोटे औजारों और मशीनरी के फालतू पुर्जों की प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दोनों में प्राप्ति, निर्गमों और अतिशेषों को दर्शित करने के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत के अंतर्गत संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार होंगे।

1. (6) उपभोग्य सामान, और छोटे घटकों या औजारों की दशा में, जिनकी लागत महत्वपूर्ण नहीं है, यदि कंपनी चाहे तो ऐसी मदों के मुख्य समूह के लिये ऐसे अभिलेख रख सकेगी।

1. (7) खपने वाले सामान, छोटे औजारों और मशीनरी के फालतू पुर्जों के उपभोग की लागत वास्तविक निर्गमों के आधार पर सुसंगत लागत केन्द्रों पर प्रधारित की जाएगी।

1. (8) कच्ची सामग्री, प्रसंस्करण सामग्री, खपने वाले सामान, छोटे औजारों और मशीनरी के फालतू पुर्जों के अपशिष्टों, विकृतियों, प्रतिक्षेपनों और हानियों की मात्रा और मूल्य को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे चाहे वह अभिवहन, भंडारकरण, विनिर्माण में या किसी अन्य प्रकार से हुई है। उत्पाद की लागत का अवधारण करते समय उपर्युक्त हानियों और अस्वीकृत तथा अपशिष्टों जिनमें विकृतियां, आदि कोई हों, भी है, के व्ययन से व्युत्पन्न आय के समायोजन के लिए अनुसरण की गई पद्धति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी। किन्हीं असामान्य अपशिष्टों या विकृतियों आदि को उनके कारणों सहित सुभिन्नतया और पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा।

1. (9) जहां उपांतरित मूल्यवर्धित कर (मोडवेट) किसी सामग्री की किसी मद पर उपलब्ध है, वहां उसकी लागत मोडवेट की शुद्ध राशि पर दर्शित की जाएगी।

2. वेतन और मजदूरी :

2. (1) लागत केन्द्रों/विभागों के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जनों तथा उस कार्य को जिसमें वे नियोजित किए गए हैं, उपदर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। प्रत्येक लागत केन्द्र/विभाग के लिए निम्न पृथक अभिलेख उपदर्शित किए जाएंगे :—

(क) मात्रानुपाती दर पर, उपार्जित मजदूरी (जहां लागू हो),

(ख) प्रोत्साहन, मजदूरी जो व्यक्ति या सामूहिक रूप से उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अधीन उपार्जित की जाती है।

(ग) उपार्जित अतिकालिक मजदूरी और

(घ) नैमित्तिक श्रमिकों के उपार्जन।

2. (2) अभिलेख ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 2 के विभिन्न प्रोफार्मा में इस शीर्ष के अधीन आवश्यक विशिष्टियां दे सके जहां कर्मचारी ऐसी रीति से काम करते हैं कि उनकी पहचान किसी लागत केन्द्रों में साम्यपूर्ण आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और उन्हें समरूपतः लागू किया जाएगा।

2. (3) खाली समय वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन उसके लिए जो कारण है उन्हें उपदर्शित करते हुए, पृथकतः अभिलिखित किया जाएगा। उत्पाद की लागत के अधिधारण में खाली समय के संदाय कर लेखा रखने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति की लागत अभिलेख में दर्शित किया जाएगा।

2. (4) पूंजी संकर्म, जैसे संयंत्र और मशीनरी, भवन में संवर्धन या अन्य स्थिर आस्तियों को आबंटनीय किसी मजदूरी और वेतन का लेखा सुसंगत पूंजी शीर्ष के अधीन दिया जाएगा।

3. सेवा विभाग व्यय :

प्रत्येक सेवा विभाग या लागत केन्द्र जैसे प्रयोगशाला, कल्याण परिवहन आदि पर उपगत व्ययों को उपदर्शित करने वाले ब्यौरे वार अभिलेख रखे जाएंगे। वे व्यय अन्य सेवाओं और उत्पादन विभागों को साम्यापूर्ण आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे। जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पाद/उत्पादों के लिए भी किया जाता है वहां नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयान और अन्य उत्पाद/उत्पादों के बीच प्रभाजनका आधार साम्यापूर्ण होगा और अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा।

4. उपयोगी वस्तुएं :

4. (1) जल विभिन्न लागत केन्द्रों/विभाग में मोटर यानों के विनिर्माण के लिए उत्पादित और उपभोग किए गए उपचारित/शीतित जल की मात्रा और लागत दर्शाते हुए समुचित अभिलेख रखा जाएगा। ऐसा ही अभिलेख बहिःस्त्राव उपचार के लिए भी रखा जाएगा यदि कोई हो।

4. (2) 1 वाष्प-4(2)(1) जहां कंपनी द्वारा वाष्प उत्पादित की जाती है वहां विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों में नियम 2 में यथा विनिर्दिष्ट मोटर यानों के उत्पादन में बनाई गई और उपभोग की गई वाष्प की मात्रा तथा लागत को दर्शाते हुए, अभिलेख रखा जाएगा। मोटरयान, संयंत्र और कंपनी के अन्य यूनिटों द्वारा उपयुक्त वाष्प की लागत की संगणना युक्ति युक्त आधार पर की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी। जहां किसी कंपनी के किसी अन्य यूनिट द्वारा वाष्प बनाई जाती है और उसका प्रदाय किसी मोटरयान संयंत्र को किया जाता है तो वहां इस प्रकार प्रदाय वाष्प का लागत, युक्ति-युक्त आधार पर मोटरयान संयंत्र पर प्रभारित की जाएगी, तथा समरूपतः लागू की जाएगी।

4. (3) शक्ति क्रय की गई शक्ति की मात्रा और लागत का समुचित अभिलेख रखा जाएगा। जहां कंपनी द्वारा स्वयं शक्ति उत्पादित की जाती है वहां विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों आदि में मोटरयानों के उत्पादन के लिए उत्पादित और उपभोग की गई शक्ति की लागत दर्शाने हेतु पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। जहां कंपनी के किसी अन्य यूनिट द्वारा शक्ति उत्पादित और मोटरयान संयंत्र को प्रदत्त की जाती है वहां इस प्रकार प्रदत्त शक्ति की मात्रा और उसकी लागत उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयानों के उत्पादन को आबंटित शक्ति की लागत युक्तियुक्त आधार पर होगी और समरूपतः लागू की जाएगी:

4. (4) जल, वाष्प और शक्ति से भिन्न उपयोगिताएं

कंपनी द्वारा उत्पादित या क्रय की गई जल, वाष्प और शक्ति से भिन्न किन्हीं भी अन्य उपयोगिताओं की बाबत पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा।

5. कार्यशाला/मरम्मत और अनुरक्षण/औजार कक्ष :

5. (1) कार्यशाला द्वारा विभिन्न शीर्षों के अधीन उपगत व्यय और लागत केन्द्रों और विभागों के द्वारा मरम्मत तथा अनुरक्षण पर हुए व्यय दर्शाने वाला अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेखों में भिन्न लागत/केन्द्रों/विभागों पर कार्यशाला औजार कक्ष व्यय के प्रभारण का आधार भी उपदर्शित किया जाएगा जहां अनुरक्षण कार्य किसी उत्पादन लागत केन्द्रों के कर्मचारी द्वारा सीधे किया जाता है वहां ऐसे व्यक्तियों की मजदूरी और वेतन, संबंधित लागत केन्द्रों के प्रत्यक्ष व्यय माने जाएंगे यदि सेवाओं का अन्य उत्पादों के लिए भी उपयोग किया जाना है तो नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयानों पर अंश के प्रभारण की रीति साम्यापूर्ण होगी जो अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा।

5. (2) मुख्य मरम्मत सकर्म पर व्यय जिनसे फायदा एक से अधिक वित्तीय वर्षों में प्रोदभूत होने की संभावना है, लागत अभिलेखों में पृथक रूप से दर्शित किया जाएगा। सुसंगत अवधि के प्रति निर्देश से लागत का अधिधारण करने की लेखा पद्धति उपदर्शित होगी।

5. (3) मोटरयान कार्य की कर्मशाला द्वारा और कंपनी की अन्य यूनिटों के लिए किए गए कार्य युक्ति युक्त आधार पर प्रभावित किए जाएंगे और समरूपतः लागू की जाएगी।

6. अवक्षयण : उस आधार पर अवक्षयण की संगणना की जाती है और विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों को उनका आबंटन प्रभाजन किया जाता है और उत्पादों पर आमेलन किया जाता है लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा। विभिन्न लागत केन्द्रों और विभागों को प्रभार्य अवक्षयण कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 205 की उप-धारा (2) के उपबंधों के अनुसार प्रभार्य अवक्षयण की रकम से कम नहीं होगा और वह अवक्षयण ऐसे लागत केन्द्रों/विभागों में उपदर्शित किए संयंत्र, मशीनरी और अन्य स्थिर आरितियों से संबंध होगा। यदि किसी वित्तीय वर्ष में लागत लेखा में प्रभारित अवक्षयण राशि कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के पूर्वोक्त उपलब्धों के अधीन प्रभार्य अवक्षयण से अधिक है तो प्रभारित की गई ऐसी अधिक राशि लागत अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अभिलेख में नियम 2 में विनिर्दिष्ट मोटरयानों की प्रति एकक लागत पर उक्त अधिकता के प्रभाव को भी दर्शाया जाएगा। तथापि, आस्ति की किसी एकल मद के विरुद्ध लागत अभिलेख में प्रभावित संचयी अवक्षयण संबंधित आस्ति की मूल लागत से अधिक नहीं होगा।

7. स्वामित्व/तकनीकी व्यवहार ज्ञान फीस :

सहयोगकर्ताओं या प्रौद्योगिकी प्रदायकर्ताओं को, उनके साथ किए गए करारों के निबंधनों के अनुसार किए गए स्वामित्व अथवा अन्य आवर्ती या अनावर्ती संदाय को दर्शित करने वाले पर्याप्त अभिलेख रखे जायेंगे। ऐसे अभिलेख प्रत्येक ऐसे प्रदायकर्ता के संबंध में अलग-अलग रखे जायेंगे ऐसी रकमों को, जिनके अंतर्गत एकमुश्त संदाय भी है, उत्पादों पर प्रभारित करने का आधार, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा।

8. अन्य उपरिख्यय :

8. (1) अन्य उपरिख्यय को समाविष्ट करने वाले व्ययों की विभिन्न मदों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन व्ययों का कृत्यों, अर्थात् संकर्म, प्रशासन और विक्रय तथा वितरण के अनुसार विश्लेषित, वर्गीकृत और समूहित किया जाएगा।

8. (2) जहां कंपनी, नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयानों से भिन्न किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण में लगी हुई है वहां अभिलेख स्पष्ट रूप से वह आधार उपदर्शित करेंगे जिसका सम्मिलित उपरिख्ययों का जिनके अंतर्गत कंपनी के प्रधान कार्यालय के मोटरयानों के व्यय है, अन्य क्रियाकलापों जिसके अंतर्गत पूंजी संकर्म है में प्रभाजन करने के लिए अनुसरण किया गया है। यदि उपरिख्ययों में सम्मिलित किसी व्यय का संबंध विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद के साथ स्थापित किया जा सकता है तो ऐसे व्यय को पृथक कर दिया जाएगा।

8. (3) संकर्म, प्रशासन और विक्रय तथा वितरण संबंधी उपरिख्ययों के ब्यौरे ऐसी रीति में रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 2 के प्रोफार्म में आवश्यक विशिष्टियां प्रस्तुत करने में समर्थ हो सके।

9. संपरिवर्तन लागत :

जहां किसी विशिष्ट मशीन या मशीनबलियों में एक से अधिक विनिर्माण प्रक्रिया की जाती है, वहां विभिन्न उत्पादों के लिए ऐसी मशीनों के उपयोग के बारे में पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। ऐसी मशीन के उपयोग की लागत विभिन्न उत्पादों पर साम्यपूर्ण आधार पर उदाहरणार्थ, उपस्कार उपयोग घंटों के आधार पर प्रभारित की जाएगी। जहां मजदूरी के आमेलन, उपरिख्यय और उपस्कार उपयोग के लिए संयुक्त मशीन घंटा दरें लागू की जाती हैं वहां विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण से संबंधित भिन्न-भिन्न प्रक्रियाओं के लिए श्रम और बहुउद्देशीय मशीनों के उपयोग से संबंधित उचित अभिलेख रखा जाएगा जिससे कि कुल मशीन घंटे और नियम 2 में निर्दिष्ट संबंधित मोटरयानों को प्रभार्य रकम का अवधारण किया जा सके। वास्तविक और पूर्व अवधारित दरों पर प्रभारित रकमों के बीच का अंतर वित्तीय वर्ष के अंत में उत्पाद की वास्तविक लागत निकालने के लिए समायोजित किया जाएगा।

10. अनुसंधान और विकास व्यय :

10. (1) कंपनी द्वारा इन नियमों के अधीन आने वाले उत्पादों पर अनुसंधान और विकास कार्य के लिए, कार्य की प्रवृत्ति के अनुसार, अर्थात् उत्पादों का विकास, विनिर्माण की विद्यमान और नई प्रक्रियाओं नई संयंत्र सुविधाओं के विद्यमान और नए डिजाइन और विकास और विद्यमान और नए उत्पादों के लिए बाजार अनुसंधान आदि पर उपगत व्ययों के, यदि कोई हो, ब्यौरे दर्शित करने वाले उचित पृथक रूप से अभिलेख रखे जाएंगे।

10. (2) उत्पादों की लागत पर इन व्ययों के प्रभारण की पद्धति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी। जहां ऐसे अनुसंधान और विकास कार्य की उपयोगिता एक से अधिक वित्तीय वर्षों पर विस्तारित होती है वहां ऐसे व्यय आस्थगित व्यय के रूप में समझे जाएंगे और नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयानों और अन्य उत्पादों यदि कोई हो के उत्पादन की लागत पर युक्ति युक्त आधार पर प्रभारित की जाएगी और निरंतर लागू रहेगी।

10. (3) बाहरी व्यक्तियों की तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास विभाग द्वारा उपगत व्यय पृथक रूप से अभिलिखित किया जाएगा और नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयानों की लागत से अलग रखा जाएगा। बाहरी व्यक्तियों की तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने से प्राप्त राशि को भी पृथक रूप से उपदर्शित किया जाएगा।

11. ब्याज :

इन नियमों के अंतर्गत आने वाले उत्पादों और अन्य क्रियाकलापों पर ब्याज की रकम युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर आवंटित/प्रभाजित की जाएगी और उसका निरंतर अनुसरण किया जाएगा। ऐसे प्रभाजन का आधार लागत विवरण में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा। ऐसे उत्पादों की विभिन्न किस्मों पर ब्याज का अंश और प्रभारित करने के आधार की युक्तियुक्त होंगे और उसका निरंतर अनुसरण किया जाएगा।

12. निर्यात व्यय/प्रोत्साहन :

नियम 2 के अधीन आने वाले उत्पादों के निर्यात विक्रय पर उपगत व्ययों को, यदि कोई हो, दर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख अलग-अलग इस प्रकार रखे जाएंगे ताकि निर्यात विक्रमों की लागत सही रूप से अवधारित की जा सके। लागत विवरण, निर्यात किए गए उत्पादों के लिए पृथक्: तैयार किए जाएंगे। जिसमें उपगत निर्यात व्ययों अर्जित प्रोत्साहनों का ब्यौरा दिया जाएगा। यदि निःशुल्क आयात वास्तविक उत्पादन के पश्चात् किए जाते हैं तो लागत विवरण से यह तथ्य स्पष्ट होना चाहिए।

13. स्क्रैप और छीजन :

स्क्रैप और छीजन जिसमें इस्पात तथा कुंडली भी है की सभी बृहत मदों के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। स्क्रैप उत्पादन लागत केन्द्र यदि निकालने के लिए सभी लागत केन्द्रों के लिए स्क्रैप और छीजन के पृथक्-पृथक् अभिलेख रखे जाएंगे। संबंधित संक्रियाओं के प्रत्यक्ष देने के लिए स्क्रैप के मूल्यांकन के लिए अपनाए गए आधार साम्यापूर्ण होंगे और निरंतर लागू रहेंगे तथा लागत अभिलेखों में उपदर्शित होने चाहिए।

14. संयुक्त उत्पाद :

जहां एक से अधिक उत्पाद, जो समान अधिक महत्व के हों, एक ही प्रक्रिया से उत्पाद होते हैं वहां उत्पादों की अलग करते की सीमा तक लागत संयुक्त उत्पादों पर युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर प्रभाजित की जाएगी और वह निरंतर लागू की जाएगी। ऐसे प्रक्रिया/प्रक्रियाओं से उत्पन्न होने वाले निरंतर विभिन्न उत्पादों पर ऐसी संयुक्त लागत प्रभाजित करने के आधार लागत अभिलेखों में उपदर्शित किए जाएंगे।

15. कैप्टिव उपयोग :

नियम 2 के अधीन निर्दिष्ट मदों की मात्रा और लागत, जो कंपनी के अन्य विभागों/इकाइयों की कैप्टिव उपभोग के लिए अंतरित की गई है, दर्शाने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे अंतरण साधारणतया लागत पर किए जाएंगे और लागत अभिलेख में प्रकट किए जाएंगे।

16. पैकिंग :

(1) नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयान के विवरण लिए तैयार उत्पादों यदि कोई हो की पैकिंग के लिए विभिन्न पैकिंग सामग्री की मात्रा और लागत और उपगत अन्य व्यय को दर्शाते हुए यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे। जहां अन्य उत्पादों जिनमें नियम 2 में वर्णित उत्पाद भी सम्मिलित है ऐसा मिला जुला व्यय उपगत होता है वहां सुसंगत उत्पादों के बीच व्ययों के प्रभाजन का आधार लागत लेखा में उपदर्शित किया जाएगा और निरंतर लागू रहेगा। यदि ऐसी पैकिंग सामग्री का विनिर्माण कंपनी द्वारा किया जाता है तो ऐसी मदों के उत्पादन की लागत का यथोचित अभिलेख रखा जाएगा।

(2) निर्यात पैकिंग पर उपगत व्यय, यदि कोई हो, का विस्तृत अभिलेख भी पृथक् से रखा जाएगा और उसे निर्यात के लिए सुसंगत लागत विवरण में दर्शाया जाएगा।

17. अर्द्ध तैयार माल और तैयार माल स्टॉक :

नियम 2 में निर्दिष्ट मोटरयान के अर्द्ध तैयार माल की लागत का अवधारण करने के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में इस प्रकार उपदर्शित की जाएगी ताकि उस ऐसे लागत तत्वों को प्रकट किया जा सके जो ऐसी संगणना करने में हिसाब में लिए गए हैं, अर्द्ध तैयार माल की लागत की संगणना करते समय संपरिवर्तन लागत का समुचित अंश पूर्ण होने की स्थिति तक हिसाब में लिया जाएगा। अर्द्ध तैयार और तैयार माल की लागत का अवधारण करने के लिए अपनाई गई पद्धति का निरंतर अनुसरण किया जाएगा।

18. लागत विवरण :

18. (1) नियम 2 के अधीन उत्पादित और विक्रय किए गए मोटरयान की विभिन्न प्रकार, यदि कोई हो, के बारे में पृथक्-पृथक् विक्रय लागत विवरण में रखे जाएंगे। उत्पादित और विक्रय लिए गए प्रत्येक उत्पाद के लिए प्रत्येक प्रोफार्मा "ब" और "ग" के अनुसार लागत विवरण रखा जाएगा।

18. (2) यदि कंपनी एक से अधिक संयंत्र/कारखाने चला रही है तो प्रत्येक संयंत्र/कारखाने के लिए ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में पृथक्-पृथक् लागत विवरण रखे जाएंगे।

19. उत्पादन अभिलेख :

सभी तैयार पैक किए गए उत्पादों, विक्रय निर्गमों और कंपनी द्वारा उत्पादित नियम 2 में निर्दिष्ट विभिन्न प्रकार के उत्पादों के अतिशेषों के परिमाणमात्मक अभिलेख रखे जाएंगे। सभी तैयार पैक किए गए उत्पादों की लागत उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के लिए ब्यौरेवार रखी जाएगी या नियंत्रित लेखाओं के रूप में रखी जाएगी, परन्तु यह तब जब कि ऐसे नियंत्रण लेखाओं के अनुसार अतिशेष के मूल्य का नियम 2 में निर्दिष्ट उत्पादों की प्रत्येक प्रकार के लिए रखे गए परिणामात्मक लेखा में दर्शाई गई मात्रा के मूल्य के साथ वर्ष में कम से कम एक बार कालिक मिलान कर लिया गया हो।

20. लागत और वित्तीय लेखाओं का मिलान :

20. (1) लागत अभिलेखों का वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय लेखा बहियों से इस प्रकार मिलान किया जाएगा जिससे उनकी शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। परिवर्तन, यदि कोई हो, स्पष्ट रूप से उपदर्शित किए जाएंगे और उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा। मिलान ऐसी रीति से किया जाएगा कि निर्दिष्ट उत्पादों के लाभ की कंपनी के समग्र लाभ के साथ सही रूप से आंका जा सके और उसका मिलान किया जा सके।

20. (2) कंपनी द्वारा विभिन्न लेखा शीर्षों के अधीन उपगत सभी व्यय और प्राप्त आय तथा नियम 2 के अधीन उत्पादों को लागू अंश दर्शाने वाला एक विवरण रखा जाएगा और उसका उस अवधि के लिए वित्तीय लेखाओं के साथ मिलान किया जाएगा।

21. लागत अंतरों का समायोजन :

जहां कंपनी लागत अभिलेख वास्तविक आंकड़ों से भिन्न किसी आधार जैसे मानक लागत पर रखती है वहां कंपनी द्वारा ऐसी पद्धति के अधीन उत्पादन की लागत की संगणना के लिए अनुसरित प्रक्रिया अभिलेख में उपदर्शित की जाएगी। उत्पाद की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अंतरों के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अंतरों को इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 2 से संबंधित प्रोफार्मा में सुसंगत शीर्षों के सामने सामग्री, श्रम, परिव्यय और मात्रा मूल्य, उपयोगिता क्षमता आदि का विवरण विश्लेषित रूप में वित्तीय वर्ष नियमित रूप से दिया जाएगा। लागत अभिलेख में अंतरों के कारणों को स्पष्ट किया जाना चाहिए।

22. सांख्यिकीय अभिलेख :

22. (1) विभिन्न उत्पादन विभागों में उपलब्ध मशीन घंटे/प्रत्यक्ष श्रम घंटे और वस्तुतः उपयोग के बारे में भी आंकड़े रखे जाएंगे और कभी का उपयुक्त रूप से विश्लेषण किया जाएगा। मशीन के निष्कार्य समय का संगणना की बाबत उपयुक्त अभिलेख रखे जाएंगे।

22. (2) प्रत्येक किस्म के उत्पाद या नियम 2 के अधीन आने वाले उत्पादों के समूह और अन्य क्रियाकलापों के लिए लगाई गई पूंजी शुद्ध स्थिर आस्तियों और कामकाजी पूल का पता लगाने की बाबत कंपनी को समर्थ बनाने के लिए पृथक-पृथक यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसी स्थिर आस्तियों के नए विनिधान को जिसका सुसंगत अवधि के दौरान उत्पादन के लिए अभिशाप नहीं किया गया है लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अभिलेखों में प्रतिस्थानों के रूप में जोड़ी गई आस्तियों और विद्यमान क्षमता को बनाने के लिए जोड़ी गई आस्तियों को भी दर्शित किया जाएगा।

23. प्रदूषण नियंत्रण :

पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी द्वारा अनेक उपायों जैसे बहिःस्लाव उपचार, वायु प्रदूषण नियंत्रण अपशिष्ट आदि पर उपगत व्यय समुचित रूप से अभिलिखित किया जाना चाहिए।

अनुसूची 2

प्रोफार्मा "क"

(नियम 3 देखिए)

कंपनी का नाम—का कारखाने का नाम और पता—वर्ष
को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान मोटरयानों और प्रभाजन—के लिए विभिन्न प्रचालन लागत केन्द्रों के
लिए संपरिवर्तन लागत को दर्शाने वाला विवरण :—

क्रम सं. विशिष्टियां		उत्पादन/सेवा लागत केन्द्र			
सं.		मशीन शॉप	ढलाई कारखाना	विद्युत लेपन शॉप	पेंट शॉप
1	2	3	4	5	6
ऊष्मा समुच्चय	(ख)(स)	(घन्टे)(स)	(ख)	(क)(ख)	
उपचार				घन्टे (स)	
7	8	9	10		
		अन्य (निर्दिष्ट किया जाए)	योग		

अ. संपरिवर्तन लागत

(रु०)

1. वेतन और मजदूरी

2. रखरखाव योग्य भंडार/प्रचालन प्रदाय

3. उपयोगिता

(क) जल

(ख) वाष्प

(ग) विद्युत

(घ) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)

4. अन्य प्रत्यक्ष व्यय
(विनिर्दिष्ट किया जाए)
5. मरम्मत और अनुरक्षण
6. अवक्षयण
7. कार्य उपरिव्यय
8. डब्ल्यू, आई. पी. आरम्भ करने/बंद करने के लिए समायोजन
- आ.1 मशीन के घंटे
प्रत्यक्ष श्रम घंटे
(क) उपलब्ध
(ख) काम में लाई गई
2. प्रति मशीन लागत/किए गए काम के प्रत्यक्ष श्रम घंटे
3. लागत प्रति मशीन/काम के प्रत्यक्ष श्रम घंटे किए गए (पूर्व वर्ष)
- अ. मोटर यानों/घटकों के अपनी-अपनी प्रकार के संपरिवर्तन लागत का प्रभाजन
- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
6. आदि

कुल

टिप्पण :—

1. क. प्रभाजन के समुचित आधार पर वास्तविक अभिलेख के अनुसार वस्तुतः उपयोजित प्रत्यक्ष श्रम/मशीन के घंटे
ख. रुपए में संपरिवर्तन लागत
2. लागत केन्द्र केवल दृष्टांत रूप में है।
3. कर्मचारी को प्रोत्साहन, बोनस से भिन्न, बोनस कानूनी उपदान के लिए उपलब्ध या इस अवधि के दौरान इस लेखे संदत्त की गई वास्तविक रकम और उधारों पर, जिनके अंतर्गत डिबेंचर भी है, लागत प्रभाग केवल प्रोफार्मा ग और घ में दर्शित किए जाएंगे।
4. प्रत्येक प्रकार के मोटरयान के लिए उपयोग किए गए वास्तविक प्रत्यक्ष श्रम/उपयोग किए गए मशीन के घंटों को, बेंच के अनुसार अभिलिखित किया जाएगा।
5. जहां उच्च गति की स्वचालित मशीन जैसी विशेष मशीन या उपयोग विनिर्माण की विशिष्ट प्रक्रिया के लिए, किया जाता है वहां ऐसी प्रत्येक मशीन या मशीनों के समूह के लिए पृथक लागत केन्द्र खोले जाएंगे।
6. उत्पादन पर स्वामित्व की संदत्त/संदेय रकम मद अ 4 के सामने होनी चाहिए।

अनुसूची
प्रोफार्मा "ख"
(नियम 3 देखिए)

कंपनी का नाम

कारखाने का नाम और पता

-----को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए मोटर यान के उत्पादन की लागत दर्शित करने वाला विवरण।

चालू वर्ष

पिछला वर्ष

1. मोटर यान का नाम
2. टाइप
3. डीजल चालित/पेट्रोल चालित
4. प्रतिष्ठापित क्षमता
5. कुल उत्पादन
6. क्षमता उपयोगिता (प्रतिशत)

क्रम सं.	विशिष्टताएं	यूनिट	मात्रा	दर (रु.)	रकम (रु.)	लागत/यूनिट	
						सालू वर्ष (रु.)	पिछला वर्ष (रु.)
अ.	प्रत्यक्ष सामग्री लागत (प्रत्येक बृहत मद विनिर्दिष्ट की जाए) (क) आयातित क्रय किए गए घटक						
1.							
2.							
3.	आदि						
	(ख) देशी क्रय						
1.							
2.							
3.	आदि						
	(ग) स्वयं विनिर्मित						
1.							
2.							
3.	आदि						
	(घ) अपशिष्ट/अस्वीकृत घटाइए						
	कुल प्रत्यक्ष सामग्री (क-ख-ग-घ)						
आ.	संपरिवर्तन लागत						
1.	मशीन शॉप						
2.	विद्युत लेपन शॉप						
3.	यान समुच्चय						
4.	पेंट शॉप						
5.	स्वामित्व, यदि कोई हो						
6.	आदि, आदि (विनिर्दिष्ट किया जाए)						
	कुल संपरिवर्तन लागत						
इ.	अन्य व्यय						
1.	निरीक्षण						
2.	क्वालिटी नियंत्रण						
3.	परीक्षण						
4.	आर एंड डी						
5.	भंडारण						
6.	अन्य कार्य अपरिव्यय						
7.	प्रशासनिक उपरिव्यय						
8.	अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)						
	कुल अन्य व्यय						
ई.	1. कुल लागत						
	2. प्रगतिशील कार्य को आरंभ और बंद करने के लिए समायोजन						
	3. लागत अन्तर के लिए समायोजन						

- (क) कच्ची सामग्री
(ख) संपरिवर्तन प्रभार
(ग) कुल
4. निम्नलिखित के लिए अंतरित उत्पादन की कुल लागत
1. कैप्टिव उपभोग
क. उत्पाद विनिर्दिष्ट
ख.
 2. विक्रय के लिए अंतरण
क. उत्पाद विनिर्दिष्ट
ख.
 1. यह प्रोफार्मा मोटर यान के प्रत्येक टाइप और आकार के लिए तैयार किया जाएगा।
 2. निर्यात उत्पादन के लिए उपरोक्तानुसार पृथक विवरण तैयार किया जाएगा।
 3. प्रोत्साहन बोनस से भिन्न कर्मचारी को बोनस, अवधि के दौरान कानूनी उपदान या वास्तविक संदाय के लिए उपबंध और डिबेंचर सहित उधारों पर ब्याज प्रभारों को केवल प्रोफार्मा ग और घ में उपदर्शित किया जाएगा।
 4. मद सं० ई 3 मानक लागत पद्धति का अनुसरण करने वाली कंपनी को लागू होगा।
 5. वह आधार जिस पर उत्पादों के लिए वसूलिय मूल्य अवधारित है, स्पष्ट रूप से लागत अभिलेख में उपदर्शित किया जाएगा।
 6. असमान्य हानियों का यदि कोई हो एक पृथक विवरण में मात्रा और मूल्य दोनों में उपदर्शित किया जाएगा।
 7. लागत केन्द्र केवल दृष्टांत रूप में है।

अनुसूची 2
प्रोफार्मा "ग"
(नियम 3 देखिए)

कंपनी का नाम

कारखाने का नाम और पता

वर्ष के लिए मोटर यान के विक्रय की लागत दर्शित करने वाला विवरण

चालू वर्ष

पिछला वर्ष

1. मोटर यान का नाम
2. मोटर यान की टाइप
3. आरंभिक स्टॉक (मात्रा)
4. उत्पादित मात्रा
5. विक्रीत मात्रा
6. अंतिम स्टॉक

क्रम सं.	विशिष्टताएं	भूमि	मात्रा	दर (रु.)	कुल रकम (रु.)	प्रति यूनिट लागत	
						चालू वर्ष (रु.)	पिछला वर्ष (रु.)
अ.	प्रोफार्मा ख से अंतरित उत्पादन की लागत						
आ.	पैकिंग सामग्री, यदि कोई हो (बृहत मर्दे विनिर्दिष्ट की जाएं)						
इ.	पैकिंग लागत प्रभार (बृहत लागत केन्द्र विनिर्दिष्ट किए जाएं)						
ई.	अन्य व्यय						
	1. निरीक्षण						
	2. क्वालिटी नियंत्रण						
	3. अन्य कार्य उपरिव्यय						
	4. प्रशासनिक उपरिव्यय						
	5. अन्य विनिर्दिष्ट किया जाएं						

- उ. 1. पैक किए गए उत्पाद की लागत (क+ख+ग+घ)
 2. घटाएं/जोड़िए लागत भिन्नता के लिए समायोजन
 3. संपूर्ण उत्पाद की कुल लागत
 4. मात्रा घटाएं : नमूने/परीक्षण के लिए अंतरित
 5. जोड़े : आरंभिक स्टॉक
 6. घटाएं : अंतिम स्टॉक
 7. विक्रय किए गए माल की लागत
 (क) घरेलू
 (ख) निर्यात
 (ग) कुल

- ऊ. विक्रय और वितरण व्यय
 (केवल विक्रीत मात्रा के लिए)
 1. वेतन और मजदूरी
 2. प्रचार
 3. डिपो व्यय
 4. माल भाड़ा
 5. उठाई धराई प्रभार
 6. बर्दा/कमीशन
 7. अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)
 8. कुल विक्रीत और वितरण व्यय
 (केवल विक्रीत मात्रा के लिए)

ए. ब्याज प्रभार

ऐ. बोनस (प्रोत्साहन बोनस से भिन्न)

ओ. क. न्यूनतम कानूनी बोनस

ख. न्यूनतम कानूनी बोनस से भिन्न

औ. कानूनी उपदान के लिए उपबंध

अं. लागत में सम्मिलित न किए गए अन्य व्यय मदें
 (विनिर्दिष्ट की जाए)

अः कुल व्यय जिसमें ब्याज और अन्य प्रभार हैं
 (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)

अ अ घटाएं : लागत में न विचार की गई अन्य आय
 (मदें विनिर्दिष्ट की जाए)

आ आ विक्रत मात्रा के लिए उत्पाद शुल्क छोड़कर कुल विक्रय वसूलियां

इ इ मार्जिन

टिप्पण :

1. यह प्रोफार्मा यान की ऐसी प्रत्येक टाइप और आकार के लिए तैयार माल किया जाएगा जिसका उस कंपनी द्वारा विनिर्माण /विक्रय किया जाता है।
2. निर्यात विक्रय के लिए उपरोक्तानुसार पृथक विवरण तैयार किया जाएगा।
3. कर्मचारी को प्रोत्साहन बोनस से भिन्न बोनस कानूनी उपदान के लिए उपबंध या इस अधि के दौरान इस लेखे संदत्त वास्तविक रकम और उधार पर जिसके अन्तर्गत डिवेन्धर भी है ब्याज प्रभार केवल प्रोफार्मा ग और घ में उपदर्शित किया जाएगा।
4. मद संख्या घ 2 मानक लागत का अनुसरण करने वाली कम्पनियों को लागू होगी।
5. लागत केन्द्र केवल दृष्टांत रूप में है।

अनुसूची 2
प्रोफार्मा "घ"
(नियम 3 देखिए)

कंपनी का नाम

कारखाने का नाम और पता

को समाप्त वर्ष के दौरान विनिर्मित और विक्रीत सभी मोटर यानों के लिए विक्रय की लागत विक्रय वसूली और मार्जिन दर्शित करने वाला विवरण

क्रम सं.	मोटर यान घटक	विक्रय के लिए मात्रा	जारी मूल्य	मात्रा	विक्रय और वितरण व्यय	ब्याज कानूनी न्यूनतम	बोनस न्यूनतम कानूनी से भिन्न
		यूनिट	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)
1	2	3	4	5	6	7	8
1.							
2.							
3.							
4.							
आदि							
कुल							

उपदान	अन्य आय से/का कुल भिन्न व्यय	विक्रय की कुल लागत	विक्रय वसूली	मार्जिन कुल प्रति	यूनिट	पिछला वर्ष प्रति यूनिट विक्रय की लागत	प्रति यूनिट विक्रय की वसूली	मार्जिन प्रति यूनिट
(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)
9	10	11	12	13	14	15	16	17
1.								
2.								
3.								
4.								
आदि								
कुल								

[फा. सं. 52/14/सी. ए. बी.-96]

आर. डी. जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th September, 1997

G.S.R. 537 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the **Companies Act, 1956 (1 of 1956)**, and in supersession of the notification of Government of India, Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Company Affairs) bearing **G. S. R. 1465 dated 17th May 1969**, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules namely :-

1. **Short title and commencement** (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (**Motor Vehicles**) Rules 1997.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Application** - They shall apply to every company engaged in the manufacture of passenger or commercial motor vehicles, including the manufacture of the following vehicles, namely :-
 - a) all types of passenger cars, jeeps and station wagons ;
 - b) all types of commercial vehicles, delivery and pick-up vans ;
 - c) motor-cycles, scooters, scooterettes and Mopeds ;
 - d) three-wheeler vehicles.

Provided that these rules shall not apply to company :

- (a) the aggregate value of the machinery and plant installed in the undertaking of the company does not exceed sixty lakh rupees as on the last day of the preceding financial year, and for this purpose, the value of any machinery or plant shall be
 - (i) in the case of any machinery or plant owned by the company, the cost thereof to the company; and
 - (ii) in the case of any machinery or plant held by the company on lease or by hire purchase, the cost thereof as in the case of owner of such machinery or plant; and
 - (b) the aggregate value of the turnover made by the company from the sale or supply of all its products during the preceding financial year does not exceed Rupees ten crore.
3. **Maintenance of records:-** (a) Every company to which these rules apply shall, at regular intervals as well as each of its financial year commencing on or after the commencement of these rules, keep proper books of account containing,

inter-alia, the particulars specified in Schedule I and II including proformas A, B, C and D annexed to these rules relating to the utilisation of materials, labour and other products of cost in so far as they are applicable to Motor Vehicles referred to in rule 2:

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to products referred to in rule 2, the particulars relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to such other products or activities shall not be included in the cost of the products referred to in rule 2.

- (b) The books of account referred to in sub-rule(a) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate the cost of production and cost of sales of all types of Motor Vehicles referred to in rule 2 at regular intervals as well as for the financial year as a whole, from the particulars entered therein and every such books of account and the proformae specified in Schedules annexed to these rules shall be completed not later than ninety days from the closing of the financial year of the company to which they relate.
 - (c) It shall be the duty of every person referred to in sub- section (6) and a person having been charged by the person mentioned in sub-section (6) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) to take all reasonable steps to secure compliance by the company with the provisions of sub-rules (a) and (b) of this rule in the same manner as the person is liable to maintain accounts required under sub-section (1) of section 209 of the said Act.
 - (d) Statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedules annexed to these rules, which shall be such as to enable the company to exercise as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economies in cost and provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the points referred to in Cost Audit (Reports) Rules, 1996.
4. **Penalty** _ If a company contravenes the provisions of rule 3, the company and every person thereof who is in default referred to in sub-rule (c) of rule 3 shall subject to the provisions of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) be punishable with fine which may extend to rupees five hundred and where the contravention is a continuing one with a further fine which may extend to rupees fifty for every day after the first day during which period such contravention continues.

SCHEDULE - I

(See rule 3)

1. MATERIALS

- 1 (1) Proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of direct materials (including

bought out components, C.K.D. etc) required and actually used in the production, processing or manufacture of different types of products referred to in rule 2, in any form or any type. These records for direct materials shall contain such details as to enable the company to determine the quantity and the cost of receipt (including all direct charges upto the works in respect of all major direct materials), for imported and indigenous supplies of Motor Vehicles produced. In case of imported materials including those canalised through government agencies, details of cost, freight, insurance charges (CIF value) custom duty, port charges, inland freight and handling and clearance charges paid shall be recorded separately. The basis on which the said quantities and costs of issue and consumption have been calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently.

- 1 (2) In case, where the major assemblies / sub-assemblies like Engine, Transmission, Frame, Body, Batteries etc. required in the production of items referred to in rule 2 are manufactured by the company, separate records showing the cost of manufacture of each such item indicating the break up of raw materials consumed for the production and conversion cost shall be maintained.
- 1 (3) In case any raw material / process chemicals covered under any Cost Accounting (Records) Rules prescribed under the Companies Act 1956, (1 of 1956) is manufactured by the company, proper cost accounting records shall also be maintained as per the relevant rules so as to arrive at the cost of such items.
- 1 (4) If the quantity and value of materials consumed are determined on the basis of standard costing, the method adopted shall be mentioned in the cost records and followed consistently. The overall reconciliation of such quantities and value of materials with the actuals shall be made regularly during the financial year explaining the reasons for variations. The treatment of such variations in determining the cost of the items referred to in rule 2 shall be indicated in the cost records.
- 1 (5) Proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and cost of each item of consumable stores, process material, chemical, small tools and machinery spares. The cost shall include all direct charges upto works.
- 1 (6) In the case of consumable stores and small components or tools the cost of which are insignificant, the company may, if it so desires, maintain such records for the group of such items.
- 1 (7) The cost of consumption of consumable stores, small tools, and machinery spares shall be charged to the relevant cost centres on the basis of actual issues
- 1 (8) Proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastages, spoilages, rejections and losses of raw materials, process materials, consumable stores, small tools and machinery spares, whether in transit, storage, manufacture or at any other stage. The method followed for adjusting the above losses as well as

the income derived from the disposal of rejected and waste materials including spoilages if any, in determining the cost of product shall be indicated in the cost records. Any abnormal wastages or spoilages etc. shall be indicated distinctly and separately along with reasons thereof.

- 1 (9) Where MODVAT is availed on any item of material, cost thereof shall be shown at net of MODVAT.

2. SALARIES AND WAGES

- 2 (1) Proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees of the cost centres / departments and the work on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each cost centre / department :

- (a) Piece rate wages earned (wherever applicable) ;
- (b) Incentive wages earned either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output
- (c) Overtime Wages earned;
- (d) Earnings of casual labour.

- 2 (2) The records shall be maintained in such a manner so as to enable the company to furnish necessary particulars under this head in the various Proformae of the Schedule II annexed to these rules. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any cost centre / department, the labour charges shall be apportioned to the cost centres on equitable basis and applied consistently.

- 2 (3) Idle time shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of idle time payments in determining the cost of product shall be disclosed in the cost records.

- 2 (4) Any wages and salaries allocable, to capital works such as additions to plant and machinery, buildings, or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads.

3. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES :

Detailed records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of each service department or cost centre like laboratory, welfare, transport etc. These expenses shall be apportioned to other services and production departments on equitable basis and applied consistently. Where these services are utilised for other product(s) of the company, the basis of apportionment to the Motor Vehicle referred to in rule 2 and to the other product(s) shall be equitable and clearly indicated in the records and applied consistently.

4. UTILITIES :

- 4 (1) **WATER** - Proper records showing the quantity and cost of treated / cooling water produced and consumed for the manufacture of Motor Vehicles in different cost centres / departments shall be maintained. Similar records shall be maintained for effluent treatment also, if any
- 4 (2) **STEAM** - Where steam is raised by the company, proper records showing the quantity and cost of steam raised and consumed in the production of Motor Vehicles as referred to in rule 2 in different cost centres / departments shall be maintained. The cost of steam consumed by the Motor Vehicles, plant and other units of the company shall be calculated on a reasonable basis and applied consistently. Where steam is raised and supplied by any other unit of the company to the Motor Vehicles plant, the cost of steam so supplied shall be charged to Motor Vehicles plant on a reasonable basis and applied consistently.
- 4 (3) **POWER** - Proper records shall be maintained for the quantity and cost of power purchased. Where power is generated by the company itself, adequate records shall be maintained to show the cost of power generated and consumed for the production of Motor Vehicles in different cost centres / departments etc. Where power is generated and supplied by any other unit of the company to the Motor Vehicles Plant, adequate records shall be maintained to indicate the quantity and cost of power so supplied. The cost of power allocated to production of Motor Vehicles referred to in rule 2 shall be on a reasonable basis and applied consistently.
- 4 (4) **UTILITIES OTHER THAN WATER STEAM AND POWER** : - Proper records shall also be maintained in respect of any other utilities other than water, steam and power produced or purchased by the company.

5. WORKSHOP / REPAIRS AND MAINTENANCE / TOOL ROOMS :

- 5 (1) Proper records showing the expenditure incurred by the workshop under different heads and on repairs and maintenance by the various cost centres / departments shall be maintained. The records shall also indicate the basis of charging the workshop / tool room expenses to different cost centres / departments. Where maintenance work is done by direct workers of any production cost centre, the wages and salaries of such workers shall be treated as direct expenses of the respective cost centre. If the services are utilised for other products also, the manner of charging a share to Motor Vehicles, referred to in rule 2 shall be equitable and clearly indicated in records and applied consistently.
- 5 (2) Expenditure on major repair works from which benefit is likely to accrue for more than one financial year, shall be shown separately in the cost records indicating the method of accounting in determining the cost with reference to the period for which the benefit of such expenditure is likely to last.

- 5 (3) The jobs carried out by workshops of Motor Vehicles unit for other units of the company shall be charged on a reasonable basis and applied consistently.

6. DEPRECIATION :

The basis on which depreciation is calculated and allocated / apportioned to the various cost centres / departments and absorbed on the products shall be clearly indicated in the cost records. Depreciation chargeable to the different cost centres / departments shall be not less than the amount of depreciation chargeable in accordance with provisions of sub-section (2) of Section 205 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and shall relate to plant, machinery and other fixed assets utilised in such cost centres / departments. In case the amount of depreciation charged in the cost accounts in a financial year is higher than the amount of depreciation chargeable under the aforesaid provisions of the Companies Act, 1956(1 of 1956), the amount so charged in excess shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of the said excess on the per unit cost of Motor Vehicles referred to in rule 2. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset.

7. ROYALTY / TECHNICAL KNOW - HOW FEE :

Adequate records shall be maintained showing the royalty or other recurring or non-recurring payments if any, made to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such supplier. The basis of charging such amounts including one time payments to the products shall be indicated in the cost records.

8. OTHER OVERHEADS :

- 8 (1) Proper records shall be maintained showing the various items of expenses comprising the other overheads. These expenses shall be analysed, classified and grouped according to functions, viz. works, administration and selling and distribution.

- 8 (2) Where the company is manufacturing any product(s) other than Motor Vehicles referred to in rule 2, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the company to the Motor Vehicles and other activities including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular activity or product, such expenses shall be segregated and charged to the relevant activity or product in the first instance and thereafter the common expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on a reasonable and equitable basis and applied consistently. Overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. Basis of apportionment or absorption of overheads to the cost centres and products shall be indicated in the cost records.

- 8 (3) The details of works, administration and selling and distribution overheads shall be maintained in such a manner as to enable the company to fill up the necessary particulars in proformae of Schedule - II annexed to these rules.

9. CONVERSION COST :

When more than one manufacturing process is carried out in a particular machine(s) or series of machines, adequate records about the usage of such machine(s) for different products shall be kept. The cost of using such machine(s) shall be charged to the different products on an equitable basis e.g. equipment usage hours. Where composite machine hour rates are applied for absorption of wages, overheads and equipment usage, proper records relating to the utilisation of labour and multi-purpose machines for different processes connected with the manufacture of different products shall be kept to enable determination of total machine hours and the amounts chargeable to the respective Motor Vehicles referred to in rule 2. The variance between the actuals and the amount charged at pre-determined rates shall be adjusted for arriving at the actual cost of production at the end of the financial year.

10. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES :

- 10(1) Proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company for the research and development work on the products covered under these rules according to the nature viz. development of products, existing and new; processes of manufacture, existing and new, design and development of new plant facilities and market research for the existing and new products etc. shall be maintained separately.
- 10(2) The method of charging these expenses to the cost of the products shall be indicated in the cost records. Where the utility of such research and development work extends over more than one financial year, such expenses shall be treated as deferred expenses and charged to cost of production of Motor Vehicles referred to in rule 2 and to other products, if any, on a reasonable basis and applied consistently.
- 10(3) Expenses incurred by the Research and Development department for providing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and excluded from the cost of Motor Vehicles referred to in rule 2. The amount recovered for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated separately.

11. INTEREST :

The amount of interest shall be allocated / apportioned to the products covered by these rules and other activities on a reasonable and equitable basis which shall be followed consistently. The basis of such apportionment shall be spelt out clearly in the cost statements. Basis of further charging of the share of the interest to the

various types of such products shall also be reasonable and the same shall be followed consistently.

12. EXPENSES / INCENTIVES ON EXPORTS :

Proper records showing the expenses incurred on the export sales of the products covered by rule 2, if any, shall be separately maintained, so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate cost statement shall be prepared for products exported giving details of export expenses incurred / incentive earned. In case, duty free imports are made, the cost statements should reflect this fact. If the duty free imports have been made after the actual production, the statements should reflect this fact also.

13. SCRAP AND WASTAGE :

Proper records shall be maintained for all major items of scrap and wastage including steel and coil etc. The records for the scrap and wastage shall be maintained for all the cost centres separately so as to arrive cost centre wise scrap generation. The basis adopted for valuation of scrap for giving credit to the respective processes shall be equitable and consistent and should be indicated in cost records.

14. JOINT PRODUCTS :

Where more than one product which is of equal economic importance arises from processes, the cost upto the point of separation of products shall be apportioned to joint products on reasonable and equitable basis and shall be applied consistently. The basis on which such joint costs are apportioned to different products arising from the process / processes shall be indicated in the cost records.

15. CAPTIVE CONSUMPTION :

Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of items referred to under rule 2 transferred to other department(s) / unit(s) of the company for captive consumption. Such transfers shall be effected at cost and shall be disclosed in the cost records.

16. PACKING :

- 16 (1) Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of various packing materials and other expenses incurred for packing the finished products, if any, for the marketing of Motor Vehicles referred to under rule 2. Where such expenses are incurred in common for other products including those stated under rule 2, the basis of apportioning the expenses between the relevant products shall be clearly indicated in the cost records and applied consistently. If such packing materials are manufactured by the company, proper records showing the cost of production of such items shall be maintained.

- 16 (2) Detailed records of the expenses incurred on export packing, if any, shall also be kept separately and exhibited in the relevant cost statements for exports.

17. WORK IN PROGRESS AND FINISHED GOODS STOCK :

The method followed for determining the cost of work in progress and finished goods of Motor Vehicles referred to in rule 2, shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost elements that have been taken into account in such computation. The appropriate share of conversion cost upto the stage of completion shall be taken into account while computing the cost of work in progress. The method adopted for determining the cost of work in progress and finished goods shall be followed consistently.

18. COST STATEMENTS :

- 18 (1) Separate cost of sales statement in respect of different type of Motor Vehicles produced and sold, if any, shall be maintained.
- 18 (2) If the company is operating more than one factory, separate cost statements as specified above shall be maintained in respect of each factory.

19. PRODUCTION RECORDS :

Quantitative records of all finished / packed production, issues for sales and balances of different types of products referred to in rule 2 produced by the company shall be maintained. The cost of all finished / packed production shall be kept in detail for each type of product or in the form of control accounts provided the value of the balances according to such control accounts are reconciled periodically atleast once in a year with the value of the quantities shown in the quantitative account maintained for each type of products referred to in rule 2.

20. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS :

- 20 (1) Cost records shall be reconciled with the financial books of account for the financial year as to ensure accuracy. Variations, if any, shall be clearly indicated and explained. The reconciliation shall be done in such a manner that profit of the product under reference can be correctly arrived at and reconciled with the over all profit of the company.
- 20 (2) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to the products under rule 2 shall be maintained and reconciled with the financial accounts for the period.

21. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES :

Where the company maintains cost records on any basis other than actuals such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of product under such system. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the product shall be indicated clearly in the cost records. The cost variances shall be shown against the relevant heads in the respective proforma of Schedule II annexed to these rules and analysed into material, labour, overheads and broken up into quantity, price, capacity utilisation etc. and shall be made regularly during the financial year. The reason for the variances shall be duly explained in the cost records.

22. STATISTICAL RECORDS :

22 (1) Data regarding available machine hours / direct labour hours in different production departments and actually utilised shall also be maintained and shortfall suitably analysed. Suitable records for computation of idle time of machines shall be maintained.

22 (2) Adequate records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for each type of product or group of products as listed under rule 2 and other activities. Fresh investments on fixed assets that have not contributed to the production during the relevant period, shall be indicated in the cost record. The records shall, in addition show assets added as replacement and that added for increasing existing capacity.

23. POLLUTION CONTROL :

Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, waste etc. should be properly recorded.

SCHEDULE II**PROFORMA 'A'**

(See Rule 3)

Name of the Company _____

Name and address of the Factory _____

Statement showing the conversion cost for various operation cost centres for Motor Vehicles and their apportionment for the year ended _____

Sl.No.	Particulars	Production / Service Cost Centres

		Machine Shop	Foundry	Electroplating Shop	Paint Shop
1	2	3	4	5	6
		A B (hrs.)(Rs.)	A B (hrs)(Rs)	A B (Hrs)(Rs.)	A B (hrs) (Rs.)

Heat Treatment	Assembly	Others (to be specified)	Total
7	8	9	10
A B (hrs)(Rs.)	A B (hrs.)(Rs)	A B (hrs)(Rs.)	A B (hrs.)(Rs.)

- A. Conversion Cost
(Rs.)
1. Wages & Salaries
 2. Consumable stores/Operating supplies
 3. Utilities
 - (a) Water
 - (b) Steam
 - (c) Power
 - (d) Others (to be specified)
 4. Other direct expenses
(to be specified)
 5. Repairs & Maintenance
 6. Depreciation
 7. Works overheads
 8. Adjustment for opening/closing W.I.P.
- B.1 Machine hours/
Direct Labour hours
- (a) Available
 - (b) Worked
2. Cost per Machine / Direct labour
hour worked

3. Cost per Machine/direct labour
hour worked (previous year)

A. Apportionment
of conversion
cost to respective
type to Motor Vehicles
/ components

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
6. etc.

Total

Notes:

1. A = Actual direct labour / Machine hours utilised as per actual recording, appropriate basis of apportionment
B = Conversion cost in rupees.
2. Cost Centres are illustrative only.
3. Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity or actual payment of the same during the period and Interest charges on borrowings including debentures shall be exhibited in proforma C and D only.
4. Actual Direct labour / machine hours utilised for each type of Motor Vehicle should be recorded batchwise.
5. Where special machines, such as high speed, automatic etc. are used for a particular process of manufacture, separate cost centre shall be opened for each such machine or group of such machines.
6. The amount of Royalty Paid / Payable on production should be shown against item A4.

SCHEDULE II
PROFORMA 'B'
(See Rule 3)

Name of the Company

Name & address of the factory

Statement showing the Cost of Production of Motor Vehicle for the year ended

		Current Year	Previous Year
1.	Name of the Motor Vehicle		

2. Type
3. Diesel Driven / Petrol Driven
4. Installed Capacity
5. Total Production
6. Capacity utilisation (Percentage).....

Sl. no.	Particulars	Unit Qty.	Rate Rs.	Amount Rs.	Cost/unit	
					Current year Rs.	Previous year Rs.
A.	Direct materials cost (each major item to be specified)					
a)	Imported bought out components					
1)						
2)						
3)	etc.					
b)	Indigenous purchased					
1)						
2)						
3)	etc.					
c)	Own manufactured					
1)						
2)						
3)	etc.					
d)	Less waste/rejects					
<hr/>						
Total Direct material (a+b+c-d)						
<hr/>						
B. CONVERSION COST						
(1)	Machine Shop					
(2)	Electroplating Shop					
(3)	Vehicle Assembly					
(4)	Paint Shop					
(5)	Royalty, if any					
(6)	etc. etc. (to be specified)					
<hr/>						
Total Conversion Cost						
<hr/>						
C.	Other Expenses					

- (1) Inspection -
- (2) Quality Cont -
- (3) Testing -
- (4) R&D-
- (5) Storage-
- (6) Other works overheads-
- (7) Administrative overheads
- (8) Others (to be specified)

Total other expenses

- D. 1. Total cost
2. Adjustment for opening & closing work in progress
3. Adjustment for cost variances
- (a) Raw material
 - (b) Conversion charges
 - (c) Total
4. Total Cost of Production Transferred to :
1. Captive Consumption
 - a) Specify the product
 - b)
 2. Transfer for sales
 - a)
 - b) Specify the product
-

Note:-

1. This proforma shall be prepared for each type and size of Motor Vehicle.
2. Separate statement shall be prepared as above for export production.
3. Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity or actual payment of the same during the period and interest charges on borrowings including debentures shall be shown in performance C and D only.
4. Item No. D.3 is applicable for companies following standard costing system.
5. The basis on which realisable value is determined for the by - Products shall be clearly indicated in the cost records.
6. Abnormal losses, if any, shall be indicated both in quantity and value in a separate statement.
7. Cost Centres are illustrative only.

SCHEDULE II
PROFORMA 'C'
(see Rule 3)

Name of the Company

Name and address of the factory.....

Statement showing the Cost of Sales of Motor Vehicles for the year

Current year Previous year

1. Name of the Motor Vehicle
2. Type of Motor Vehicle
3. Opening Stock (Qty)
4. Quantity Produced
5. Quantity Sold
6. Closing Stock

Sl.No.	Particulars	Unit	Qty.	Rate (Rs.)	Total Amount (Rs.)	Cost Per Unit	
						Current Year(Rs.)	Previous Year(Rs.)

- | | | |
|------|--|--------------------------------------|
| A. | Cost of production | transferred from
proforma-B |
| B. | Packing materials, if any | (major items to be specified) |
| C. | Packing Cost Charges | (major cost centres to be specified) |
| D. | Other expences : | |
| | (1) | Inspection |
| | (2) | Quality Control |
| | (3) | Other Works Overheads |
| | (4) | Administrative
Overheads |
| | (5) | Others
(to be specified) |
| E.1. | Cost of packed product (A+B+C+D) | |
| 2. | Less / Add Adjustment for cost variances | |
| 3. | Total cost of complete product | |

4. Less Qty. transferred for samples/trial
5. Add: Opening stock
6. Less Closing stock
7. Cost of Goods Sold
 - (a) Domestic
 - (b) Exports
 - (c) Total
- F. Selling & Distribution expenses (for quantity sold only)
 1. Salaries & Wages
 2. Publicity
 3. Depot Expenses
 4. Freight
 5. Handling charges
 6. Discount / Commission
 7. Others (to be specified)
 8. Total Selling & Distribution expenses
- G. Interest Charges
- H. Bonus (other than incentive bonus)
- I.
 - (a) Minimum statutory bonus
 - (b) Other than minimum statutory bonus)
- J. Provision for statutory gratuity
- K. Other expenses not included in cost (items to be specified)
- L. Total expenses including interest & other charges (Excluding Excise duty)
- M. Less other incomes not considered in cost (items to be specified)
- N. Total sales realisations excluding excise duty for quantity sold.
- O. Margin

Note:-

1. This proforma shall be prepared for each type and size of Vehicle, which is manufactured / sold by the company.
2. Separate statement shall be prepared as above for export sales.
3. Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity or actual payment during the period and interest charges on borrowings including debentures shall be exhibited in performae C and D only.
4. Item No. E.2 is applicable for companies following standard costing.
5. Cost Centres are illustrative only.

SCHEDULE II
PROFORMA 'D'

(See Rule 3)

Name of the company _____
 Name and address of the factory _____
 Statement showing cost of sales, sales realisation and margin for all Motor Vehicles
 manufactured and sold during the year ending

Sl. No.	Motor Vehicles / Components	Quantity	Selling		Interest	Bonus	
		issued	and distri-			Minimum	other
		for sale	bution exp.				
		Qty. Value					
		Unit	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	minimum statutory (Rs.)
1	2	3	4	5	6	7	8
1							
2							
3							
4							
etc.							

Total

Gratuity	Other exp. net of other Income	Total cost of sales	Sales Real- isation	Margin		Previous year		
				Total	Per Unit	Cost sales per unit	Sales reali- sation per unit	Margin per unit
(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
9	10	11	12	13	14	15	16	17
1								
2								
3								
4 etc.								

Total

[F. No. 52/14/CAB-96]

R.D. JOSHI, Jt. Secy.

